



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 1, 1975 (कार्तिक 10, 1897)  
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1975 (KARTIKA 10, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अक्टूबर, 1975

सं० पी०/1864-प्रशासन I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा की अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी राजा राम भण्डारी ने 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० पी० एफ०/एस०-68/65-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, मध्य प्रदेश राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री एस० एस० दरबारी, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

1-306GI/75

दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 5/30/74-प्रशासन-I—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 23-9-1975 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) में मूल रूप से कार्यालय अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पद-स्थापन का वर्तमान स्थान	तिथि सहित ग्रेड जिसमें पहले से स्थायी हो या किया गया हो	शाखा जिसमें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थायी ओ० एस० के पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री एच० सेवाप्राथ	कलकत्ता	मुख्य लिपिक व लेखापाल	दिल्ली (सा० अ० स्कंध)

12-8-60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.	श्री के० राघवन	मुख्यालय	अपराध-सहायक	मुख्यालय
28/3/71				

कार्यालय अधीक्षक के रूप में उनकी वरिष्ठता उपरोक्त क्रम से होगी।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण अ्युरो।

गृह मन्त्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

सं० डी०-I-1/74-ईस्ट—श्री इ०स० बक्तावर, की आई०टी० बी० पी० में कमान्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्त के लिए चुने जाने के फलस्वरूप, उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 49वीं बटालियन में कमान्डेंट के पद का कार्यभार 20 सितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से छोड़ा।

सं० O-II-1033/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डा० (श्रीमती) श्यामा रैना की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 1 अक्टूबर 1975 पूर्वार्द्ध से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमती श्यामा रैना को बंस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० 10/6/75-प्रशासन-I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 10/6/75-ए० डी० I, दिनांक 14 फरवरी 1975 की अन्वृत्ति में, राष्ट्रपति, श्री के० आर० उषी, सहायक निदेशक (प्रोग्राम) की नियुक्ति तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से दिनांक 17 अगस्त, 1975 से 16 फरवरी, 1976 तक के लिए, अथवा अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 2/1/75-आर० जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित अधिकारियों को उनके समक्ष अंकित जनगणना कार्यालय में, दिनांक 1 अक्टूबर, 1975 से अगले आदेश होने तक, जनगणना

कार्य उप निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम और पद	कार्यालय जहाँ पर जनगणना कार्य उप-निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया।	मुख्य कार्यालय
1.	श्री अर्दमान सिंह सहायक जनगणना कार्य निदेशक।	जनगणना कार्य निदेशक हरियाणा	चंडीगढ़
2.	श्री ए० उड्ड्यू० महात्मे, सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तकनीकी)	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र	बम्बई
3.	श्री बी० एस० नरसिमहामूर्ति सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तकनीकी)	जनगणना कार्य निदेशक, कर्नाटक	बंगलौर

बद्री नाथ,  
भारत के उपमहापंजीकार और पदेन  
उप-सचिव

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० 3/4/75-ए०-II—भारत सरकार मद्रणालय, टेम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) श्री एस० के० चक्रवर्ती, निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, तारीख 31 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेंगे।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1975

सं० एस० (45) ए०-III/ए०-II—श्री रमेश कुमार सरीन, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को भारत सरकार पाठ्यपुस्तक मुद्रणालय, भुवनेश्वर में 8 सितम्बर, 1975 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश तक, उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया।

श० म० जम्भोलकर,  
मुद्रण निदेशक

वित्त मन्त्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिकरोड, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 1019 (एम)—श्री रंगनाथ लक्ष्मण गोखले भंडार अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड अपनी अधिवर्षता प्राप्त करने पर 30 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

वी० ज० जोशी,  
महाप्रबन्धक,  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार जम्मू व कश्मीर  
श्रीनगर, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

सं० प्रशा० I/4 (26)/72-74/1887—महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर ने स्थानापन्न अधिकारी श्री टी० एन० कोकरो को 1 अगस्त 1975 से स्थायी रूप में लेखा अधिकारी के वेतनमान में नियुक्त किया है।

पी० के० बोस,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन तथा अधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान  
जयपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

नोटिस

सं० लेखाधिकारी/प्रशा०/75-76/1548—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में, मैं श्री वेग राज सरोहा लिपिक (क्लर्क) को एतद् द्वारा नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवाएं, उस तारीख जिसकी यह नोटिस उन्हें प्रेषित हो जाये, अथवा प्राप्त हो जाये यथास्थिति, की तारीख से एक महीने समाप्ति पर, समाप्त समझी जावेंगी।

श्री वेग राज सरोहा,  
द्वारा श्री जगदीश कुमार  
एम्प्लोय रोड पड़ाव के निकट,  
रोहतक (हरियाणा)

र० अ० बोरकर  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं० 18319/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० सत्तानाथम, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक, पश्चिमी कमान को 1 सितम्बर, 1975 से 91 दिन की मंजूर की गई सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने पर 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

सं० 18216/प्रशा०-II—राष्ट्रपति बड़े खेद के साथ आश्चर्यचकित करते हैं कि श्री एस० के० मेहता, रक्षा लेखा उपनियन्त्रक, पश्चिमी कमान, का 25 सितम्बर, 1975 को निधन हो गया है। तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी से 26 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से निकाल दिया गया है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० 18158/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० गोपालन, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक को 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर

दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 18151/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री प्रीतम सिंह वर्मा, रक्षा लेखा उप नियन्त्रक, मध्य कमान को 31 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18299/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० जी० धवलीकर, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक को 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

एस० के० सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डेनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 सितम्बर, 1975

सं० 35/75/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थापना उपप्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

1. श्री जे० वाई० मुल्ले, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
2. श्री डी० ए० पारदासानी, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
3. श्री एम० मादप्पन, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
4. श्री जी० पी० सिन्हा, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
5. श्री ए० के० गोहलीय, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
6. श्री ए० विनायक, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
7. श्री एस० डी० पाट्टेकर, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
8. श्री एस० राजाशेखरन्, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
9. श्री बी० के० कर, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
10. श्री बी० के० पिल्लाय, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975
11. श्री पी० एल० शर्मा, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . 17 मई 1975

12. श्री वी० के० भल्ला, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	2. श्री जे० एन० मलहोत्रा, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
13. श्री वी० जी० विद्वान्स, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	3. श्री बी० के० दास, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
14. श्री आर० एस० शाह, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	4. श्री पी० एन० निगम, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
15. श्री आर० एस० मखीजा, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	5. श्री बी० एल० सायल, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
16. श्री एम० एम० गुप्त, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	6. श्री पी० जे० कारदाके, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
17. श्री आर० के० सिंह, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	7. श्री डी० एन० खेतपाल, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
18. श्री के० एम० गांगुली, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	8. श्री के० डी० करमचन्दानी, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
19. श्री पी० एस० आर० चारी, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	9. श्री आर० पी० सक्सेना, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
20. श्री वी० के० सिन्हा, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	10. श्री के० डी० चक्रवर्ती, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
21. श्री आर० के० आनन्द, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	11. श्री के० ए० सुन्दरम्, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
22. श्री वी० एच० जोशी, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	12. श्री आर० नटराजन, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
23. श्री एस० के० राय, स्थायी सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	13. श्री ए० आर० दास, स्थाना-पत्र स्टाफ असिस्टेंट . . . . .	17 मई 1975
24. श्री एम० आर० जेटप्रोले, सहायक प्रबन्धक परखावधि पर . . . . .	17 मई 1975	14. श्री टी० बी० ए० बी० आर० नाम्बिस्सन, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
25. श्री ए० सक्सेना, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) . . . . .	17 मई 1975	15. श्री एस० के० मारिक, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
26. श्री एम० एम० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) . . . . .	17 मई 1975	16. श्री एन० साहा, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
27. श्री ए० बइरावन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) . . . . .	17 मई 1975	17. श्री एस० के० सरकार, स्थायी स्टोर होल्डर . . . . .	17 मई 1975
28. श्री एस० चैनगलवारमन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) . . . . .	17 मई 1975	18. श्री एन० कृष्णमूर्ति, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
29. श्री पी० फ्रांसिस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक . . . . .	17 मई 1975	दिनांक 9 अक्टूबर 1975	
30. श्री जी० जयराव सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) . . . . .	17 मई 1975	सं० 39/जी०/75—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्न-लिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—	

सं० 36/75/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० एम० भट्टाचार्य, स्थायी फोरमैन . . . . .	17 मई 1975
---	------------

नाम एवं पद	दिनांक
(1)	(2)
1. श्री एस० डी० मलहोत्रा, स्थायी महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) . . . . .	31 मार्च, 1975 (अप्रराह्न)
2. श्री ए० के० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) . . . . .	31 अगस्त, 1974 (अप्रराह्न)



(1)	(2)
3. श्री बी० पी० बनर्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)	31 जनवरी, 1975 (अपराह्न)
4. श्री पी० सी० सेन गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)	30 अप्रैल, 1975 (अपराह्न)

एम० पी० आर० पिल्लाय,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स  
फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय  
खान सुरक्षा महानिदेशालय  
धनबाद, दिनांक 30 जुलाई 1975

सं० 2 ए० (3)/75 प्रशासन 12183—श्री गणेश प्रसाद गुप्ता को इस महानिदेशालय में खान सुरक्षा सहायक निदेशक के पद पर परिवीक्षाधीन रूप से 19 मई, 1975 के पूर्वाह्न से दो वर्षों के लिये नियुक्त किया गया तथा उनकी पोस्टिंग चाईबासा सहक्षेत्र में की गयी।

श्याम शिव प्रसाद  
खान सुरक्षा महानिदेशक

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था  
जगजीवन नगर, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० एडम 12(14)जी०/75— श्री पी० एस० मुरमू स्थायी श्रम कल्याण निरीक्षक (खान) को दिनांक 11-8-1975 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक कल्याण निरीक्षक (खान) के पद पर तदर्थ, आधार पर नियुक्त कर जुनारदेव में तैनात किया जाता है।

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रक  
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 743/64-प्रशा० (राज०)/10400—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री एस० एन दास ने 31 अगस्त, 1975 (दोपहरबाद) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बलदेव कुमार,  
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई, 400020, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(104)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई, के निदेशक (नाम टेक्नीकल) श्री हुलीसन्द नरसिमय्या सत्यनारायण को 18 जुलाई, 1975 के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से निवृत्त होने की अनुमति दी गयी।

दिनांक 1 अक्टूबर, 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(287)—वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के निदेशक (पी० और डी०) श्री रणछोड़दास गोपालदास जालानी को 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी गई।

सं० सी० ई० आर०/10/75—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9 (9) टी० ई० एक्स/1/49, दिनांक 15 अप्रैल, 1950 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में

एक (1) भव (दो) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(दो) सभी उत्पादक इन निदेशों का परिपालन करेगा।”

(2) मद (तीन) निकाल दी जाएगी और मद (चार) पुनरंकित होकर मद (तीन) बनेगी।

दो पैराग्राफ 2 में मद (2) के बाद निम्न जोड़ दिया जाएगा अर्थात् :—

“(3) कोई भी विनिमाता धोती में, किनार तथा हैडिंग को छोड़कर रंगीन सूत का इस्तेमाल नहीं करेगा।”

तीन यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

सं० सी० ई० आर०/3ए/75—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निदेश देता हूँ कि ऐसा प्रत्येक उत्पादक जिसके पास कताई यंत्र नहीं है उसके द्वारा उत्पादित वस्त्र के मुख पट्ट पर निम्नोक्त चिह्न (मार्किन्ज) लगाएगा :—

1. उत्पादक का नाम।

2. वस्त्र आयुक्त या राज्य सरकार द्वारा दिये गये अनुज्ञापत्र (परमिट) की संख्या।

टिप्पणी : (एक) इन चिह्नों या मोहरों में प्रयुक्त शब्द और अक्षर अंग्रेजी भाषा के बड़े अक्षर (कैपिटल लेटर्स) या हिन्दी भाषा के देवनागरी लिपि में और प्रयुक्त अंक अंतराष्ट्रीय अंकों में होंगे।

(दो) इन अक्षरों और अंकों की ऊंचाई 1 सेंटीमीटर से कम नहीं होगी।

दो. कताई यंत्र न रखने वाले उत्पादक द्वारा उत्पादित वस्त्र यदि किसी प्रोफेसर द्वारा प्रोसेस किया जाता है तो वह प्रोसेसर, प्रोसेसिंग के उपरान्त उपर्युक्त पैरा एक में निर्दिष्ट चिह्नों को उल्लिखित रूप में वस्त्र पर लगाएगा जो उसके द्वारा लगाए जाने वाले चिह्नों के अतिरिक्त होंगे।

तीन. यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

सं० सी० ई० आर०/10/75ए—सूती वस्त्र (नियन्त्रण), आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9(9) टी० ई० एक्स० 1/49, दिनांक 15 अप्रैल, 1950 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में—

एक निदेश 3 में :—

“42” और “52” इन अंकों, चिह्नों और शब्दों के स्थान पर ‘106.68 से० मी० और 132.08 से० मी०’ ये अंक, अक्षर, चिह्न और शब्द, प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

दो. निदेश 8 में—

मद (बी) में “40” इस अंक और चिह्न के स्थान पर ‘101.60 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

तीन. निदेश 9 में—

1. मद (ए) में “2. 1/2” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर “6.35 से० मी०” ये अंक अक्षर और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

2. मद (ए) में—

(एक) “3/4” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘1.90 से० मी०’ ये अंक चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(दो) “6” × “6” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘15.24 से० मी० × 15.24 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

3. मद (ई) में “9” इस अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘22.86 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

4. स्पष्टीकरण तीन में ‘1/2’, इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘1.27 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

राजेन्द्र पाल कपूर,  
वस्त्र आयुक्त

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 4 अक्तूबर, 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, अर्थात् :

वर्ग 2-नायट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

1. प्रविष्टि “ईनारजील” के बाव में “फर्माडाईन निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” जो जोड़ दिया जाए।

2. प्रविष्टि “जी० एन०-1” के पूर्व में “फर्माजील निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।

3. प्रविष्टि “मनोडाईन” के बाव में “मनोएक्स निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।

4. प्रविष्टि “सुपरडाईन” के पूर्व में “पलमरेक्स निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।

वर्ग 3. प्रभाग 1 के अन्तर्गत :

5. प्रविष्टि “परमिजेक्स” के बाव में आए हुए शब्द और संख्या “उत्पादन और परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को निकास दिए जाएंगे।

इंगुव नरसिंहमूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 6549/बी/40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निम्नोक्त अधिकारियों की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को, आगे आदेश होने तक, 16 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियमित किया जाता है :—

1. श्री एस० पी० मुखर्जी,

2. श्री सरोज भट्टाचार्य

सर्वश्री मुखर्जी, एवं भट्टाचार्य की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति क्रमशः 14 नवम्बर, 1974 एवं 12 अगस्त, 1974 से की गई थी।

दिनांक 6 अक्तूबर 1975

सं० 6519/बी/11/66(आर०आर०)/ई०डब्ल्यू०/19सी—तमिलनाडू सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग से परावर्तन पर श्री आर० रामलिंगम ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रीसर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में 12 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

वी० के० एस० वरदन  
महा निदेशक

### राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अक्तूबर 1975

सं० फा० 11/2-1/75-ए-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर इसके द्वारा श्री हरिसिंह यादव, वैज्ञानिक अधिकारी (वर्ग-2, राजपत्रित) राष्ट्रीय अभिलेखागार, भोपाल को दिनांक 1 सितम्बर, 1975

(म० पू०) से आगामी आदेश तक के लिये नियमित अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
अभिलेख निदेशक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1975

सं० 4(3)/73-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री एस० एफ० शिन्डे, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पणजी, को 18 अगस्त, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० 5(88)/67-एस-एक—श्री बी० जी० एस० राव तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, अहमदाबाद ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6(33)/63-एस-एक—श्री एच० एस० पी० सिंह तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, पटना ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6(113)/63-एस-एक—श्री डी० के० शिगरन, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

सं० 5(61)/67-एस-एक—श्री वी० बी० सक्सेना, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू ने 30 जून, 1975 से 11 जुलाई, 1975 तक छुट्टी जाते समय (जिसमें 12 जुलाई, 1975 को पड़ने वाले द्वितीय शनिवार और 29 जून, 1975 तथा 13 जुलाई, 1975 को पड़ने वाले रविवारों को जोड़ने की अनुमति भी शामिल थी) 28 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था। उन्हें पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर परावर्तित किया जाता है।

सं० 4(126)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री जयन्त कुमार दास को पहली सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जयपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(100)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री ए० डी० एडवाडकर को 14 अगस्त, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पणजी में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(104)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री अब्दुल खालिक को 15 सितम्बर, 1975 से

अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पटना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6(84)/64-एस-एक—श्री ए० वी० बाघे तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, सांगली ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

शान्ति लाल,  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

सं० 15/45/65-एस-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद् द्वारा श्री एस० डी० भारद्वाज का आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के पद से 31-5-1972 से इस्तीफा स्वीकार करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

सं० 6/68/57-सिबन्दी-I—श्री आर० पी० शर्मा, स्थाना-पन्न शाखा प्रबन्धक हैदराबाद के पद पर नियुक्त हुये थे दिनांक 23 सितम्बर, 1975 से विरक्ता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

सं० 30/पी०एफ०-II/48-सिबन्दी-I—श्री एच० एफ० कपाडिया स्थानापन्न कैमरामैन, (सि० एफ० यू०) बम्बई के पद पर नियुक्त हुये थे। दिनांक 24 सितम्बर, 1975 से कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एस० के० जैन  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1975

सं० 48-6/75-सी० एच० एस०-1—अपना तबादला हो जाने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के अधिकारी डा० एस० शेषागा जयकुमार ने 2 सितम्बर, 1975 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, भद्रास के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 3 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी  
उप निदेशक प्रशासन

**कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय  
(ग्रामीण विकास विभाग)**

**विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान कार्यालय)**

फरीदाबाद, दिनांक 4 अक्तूबर, 1975

सं० फा० 4-6(95)/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ई० के० आर० नायर को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, बम्बई में दिनांक 6 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,  
कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

**वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण**

देहरादून, दिनांक 9 अक्तूबर 1975

सं० 4-7/75-प्रशासन—श्री बी० के० बसु, जोकि अन्तर्मान और निकोबार प्रशासन सेवा के स्थानापन्न सहायक वनपाल हैं, को 8 सितम्बर, 1975 की पूर्वाह्न से वन साधनों के निवेशपूर्व, सर्वेक्षण, पूर्वीय अंचल कलकत्ता में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर तदर्थ सहायक वनपाल नियुक्त किया जाता है।

र० चन्द्रा, मुख्य समन्वयक

**कार्यालय प्रधान अधिशासी अधिकारी**

**प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना**

देहरादून, दिनांक 9 अक्तूबर, 1975

सं० 6/131/75-लै० पै०—श्री गुरमीत सिंह, सहायक वन संरक्षक, वन विभाग हिमाचल प्रदेश जोकि प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, केवलवेज सेन्टर में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक के पद का कार्य कर रहे थे, दिनांक 3 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से उनको कार्यभार हे मुक्त किया गया है तथा उसी समय से उनकी सेवायें पुनः वन विभाग हिमाचल प्रदेश को सौंप दी गयी।

र० चन्द्रा,  
प्रधान अधिशासी अधिकारी

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र**

**(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400085, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० पी० ए०/81(28)/75-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न फोरमैन श्री धास बालचन्द्रा को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये

स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,  
उप स्थापना अधिकारी (भ)

**परमाणु ऊर्जा विभाग**

**क्रय एवं भंडार निदेशालय**

बम्बई-400001, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/बी-3/प्रशासन/1122—क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवम् भंडार निदेशालय के स्थायी भंडारी श्री एल० एच० बागवे को, श्री एन० जान जानी, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 21 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से 5 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) तक की अवधि के लिये र० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35 880-40-1000-ई० बी०-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,  
प्रशासन अधिकारी

**परमाणु खनिज प्रभाग**

हैदराबाद-500016, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री पी० बी० रमेश बाबू को 30 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

**अन्तरिक्ष विभाग**

**भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन**

**अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र**

अहमदाबाद-380009, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली श्री ग्रुप में श्री सुभाष चन्द्र सहगल को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (फिल्म सम्पादक) के पद पर र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में र० 650/- प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 अगस्त, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री गुरवीर सिंह ग्रेवाल को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेख) के पद पर

र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में र० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 जुलाई, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० ए० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-156/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सॉफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री लेमुअल हैरी को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्घोषक) के पद पर र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में र० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 28 जुलाई, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

मेजर आर० सी० सेमुअल (सेवा-निवृत्त),  
प्रशासन अधिकारी-II

### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

#### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-11000, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 04219—वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के व्यवसायिक सहायक श्री एन० मुखर्जी को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० मुखर्जी वेधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० नागासुब्रामनियम  
मौसम विशेषज्ञ  
रुते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० ई० (1) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्द्वारा प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री टी० एम० सम्बमूर्ति को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से 12 दिसम्बर, 1975 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री टी० एम० सम्बमूर्ति प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,  
मौसम विशेषज्ञ  
रुते वेधशालाओं के महानिदेशक

### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं० 32013/8/74-ई० ए०—इस विभाग के दिनांक 21 जनवरी, 1975 तथा 5 मई, 1975 की सम संख्यक 2-306GI/75

अधिसूचनाओं के क्रम में, जिन के द्वारा विमानक्षेत्र अधिकारियों सर्वश्री एस० एस० बेवली तथा बी० जी० सिंधी को क्रमशः 4 जनवरी, 1975 व 28 अप्रैल, 1975 से वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति एतद्द्वारा उपरोक्त अधिकारियों को 4 नवम्बर, 1973 से तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में अभिप्रायात्मक (नोशनल) पदोन्नति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से छह मास की अवधि तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1.	श्री एल० ए० लोबो	बम्बई एयरपोर्ट	16-8-75
2.	श्री आर० डी० नायर	—वही—	12-9-75
3.	श्री अमीर बन्द	दिल्ली एयरपोर्ट	21-8-75
4.	श्री के० के० सक्सेना	—वही—	19-9-75
5.	श्री ए० एम० थामस	विमानक्षेत्र, तिरुपति	9-9-75
6.	श्री एम० एम० शर्मा	दिल्ली एयरपोर्ट	29-8-75

दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गणपति अय्यर को 26 सितम्बर, 1975 से तथा अगले आदेश होने तक र० 1100-50-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। श्री अय्यर को मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास पर तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० ए०-19012/5/72-ई० (एच)—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर नागर विमानन के स्थानापन्न उपमहानिदेशक श्री एम० सी० क्षीत, जाम्बिया, सरकार के पास निदेशक नागर विमानन के रूप में प्रतिनियुक्त पर रहते हुए 30 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

टी० एस० धीनिवासन,  
सहायक निदेशक प्रशासन

समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क

मद्रास-600034, दिनांक 1 सितम्बर, 1975

सं० 11/3/32/75-संस्थापन—मद्रास समाहर्ताकार्यालय के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क का स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II,

नियुक्त किया गया है और प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से तथा विनिर्दिष्ट स्थानों पर तैनात कर दिया गया है।

क्रम सं०	नाम	अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में तैनाती का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री :			
1. टी० एस० सारावनन्	मद्रास-I प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)	
2. वी० एस० वर्धराजन	पुलियमपट्टी, बहु-पदीय अधिकारी रेंज इरोड प्रभाग	9-6-75	
3. एम० सावरीमुधू	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)	
4. वी० रामचन्द्रन	बहुपदीय अधिकारी रेंज-I, कोयम्बटूर-1 प्रभाग	4-6-75	
5. एम० ए० आर० शेरिफ	मद्रास-IV प्रभाग	1-6-75	
6. आर० धर्मराज	कांचीपुरम् बहु-पदीय अधिकारी रेंज, वैलोर प्रभाग	9-6-75 (अपराह्न)	
7. ए० बी० अरुणाचलम्	मद्रास-IV प्रभाग	4-6-75	
8. ई० ए० हट	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)	
9. ए० बिलफ्रेड सामीराज	खुसूर बहुपदीय अधिकारी रेंज कोयम्बटूर-II प्रभाग	9-6-75	
10. सी० डी० डि० मोन्टे	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)	
11. पी० वेंकटराघनम् चेट्टी	मद्रास-I प्रभाग	4-6-75	
12. एम० नरसिम्ह राव	पोल्लाची प्रभाग	19-6-75	
13. एस० कटच्चीवेंकटरामन	बनियमगोडी बहु-पदीय अधिकारी रेंज, वैलोर प्रभाग	5-6-75	
14. बी० सुन्दरम् चेट्टी	कोयम्बटूर-I, प्रभाग	9-6-75	
15. टी० कृष्णन्	कुम्भकोनम् बहुपदीय अधिकारी रेंज, पांडिचेरी प्रभाग	11-6-75	
16. टी० पी० नारायणन्	बहुपदीय अधिकारी रेंज I, कोयम्बटूर-I प्रभाग	8-7-75	

(1) (2) (3) (4)

सर्वश्री :

17. टी० आर० वेंकटरामन	मद्रास-III प्रभाग	2-8-75 (अपराह्न)
18. एम० जे० अब्दुल खादर	इरोड प्रभाग	2-7-75

सी० चिदाम्बरम,  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० क-19012/71/71-प्रशा०-5---संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में भू-भौतिक विज्ञानी (कनिष्ठ) के रूप में नियुक्ति के लिये चयन किए जाने के परिणामस्वरूप श्री के० एस० मट्टा को 23 अगस्त, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

के० पी० बी० मेनन,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

### केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 3-426/75-ईस्ट-II---श्री आर० एल० मीना, लेखा अधिकारी जो वरिष्ठ उप लेखा परीक्षक बम्बई में कार्य कर रहे थे, उनको लेखा अधिकारी के स्थान पर वेतन मान के अन्तर्गत रु० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-88 0-40-1000-ई०बी० 40-1200 केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में दिनांक 22 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से उनके मुख्य कार्यालय फरीदाबाद में नियुक्त किया जाता है।

श्री आर० एल० मीना एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनकी नियुक्ति बित्त मंत्रालय के पत्र संख्या एफ०-10-(24)ई०II/60, दिनांक 4 मई, 1961 जिसमें समय-समय पर संशोधन किया गया है, के अनुसार नियमित होगी।

देवता पाण्डेय,  
अधीक्षक अभियन्ता

### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डु, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

1. सं० पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/265-पी-IV---श्री ए० सी० विश्वास, भण्डार लेखा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को

दिनांक 5 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक मंडल लेखा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. सं० ई-283/30 पी०(ओ०)—श्री सी० आर० देव, मुख्य लिपिक ग्रेड-I (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 5 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

3. सं० ई/283/III/42 पी० टी०-II (ओ०)—श्री ए० के० दास निरीक्षक, सुरक्षा ढेल (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 16 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक सुरक्षा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

4. सं० ई/283/82/पी० टी०-X (ओ०)—श्री एस० एन० चक्रवर्ती, विधि अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 20 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

5. सं० ई/283/82/पी०-X (ओ०)—श्री ए० सरकार, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 21 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में मुख्य परिचालन अधीक्षक के वैयक्तिक सहायक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

6. सं० ई/283-III/30 पी०-V (ओ०)—श्री ए० के० करण, हिन्दी अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 28 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक हिन्दी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

7. सं० ई/283/31-पी० टी०-VIII (ओ०)—श्री बी० एन० चटर्जी, प्रवर कार्मिक निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11 जून, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

8. ई०/283/31-पी० टी०-VIII (ओ०)—श्री जी० पी० वर्मा, सहायक कार्मिक अधिकारी, (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 11 जून 1975 से प्रवर वेतनमान में मंडल कार्मिक अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,  
महाप्रबन्धक

#### कम्पनी कार्य विभाग

#### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्यालबाग फूड प्रोडक्ट्स

एण्ड कोल्ड स्टोरेज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड

(इन लिक्विडेशन) के विषय में

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 9935/एल० सी० 2030—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 260 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद् द्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ब्यालबाग फूड प्रोडक्ट्स एंड कोल्ड स्टोरेज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

#### कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स धरमकान्ता

प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन)

के विषय में

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 9936/1156-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स धरमकान्ता प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० सी० बसु,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
उत्तर प्रदेश

#### कम्पनी अधिनियम 1956 और एपिक एन्टरप्राइजेज

लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 4708-14442—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एपिक एन्टरप्राइजेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

सी० कपूर,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
दिल्ली और हरियाणा

#### कम्पनी अधिनियम 1956 और टि० सी० एजेन्सी प्राइवेट

लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 10760/560/3—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टि० सी० एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

#### कम्पनी अधिनियम 1956 और हनुमान जूट डीलर्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 1947/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

हिन्दुस्तान जूट डीलर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और साक एण्ड वसाक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 22139/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वसाक एण्ड वसाक प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और आयडियल फ्रेक्शिकेशन वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 26554/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आयडियल फ्रेक्शिकेशन वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और डाका पिक्चर पैलेस लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 5204/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डाका पिक्चर पैलेस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और फ्रेड्स एण्ड कं० एजेन्सी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 12000/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि फ्रेड्स एण्ड कम्पनी (एजेन्सी) प्राईवेट लि०

का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और ओवरसीज एजेन्सीज (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 13450/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ओवरसीज एजेन्सीज, (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

**संगठन एवं प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर)**

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1975

क्र०सं० 9/7/74—संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय/2860—श्री एम० के० धर, आयकर अधिकारी, (श्रेणी I) ने आयकर आयुक्त कार्यालय, पटियाला से अपना स्थानान्तरण होने पर, संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में दिनांक 12 अगस्त, 1975 के अपराह्न से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल,  
निदेशक

**आयकर अपीलीय अधिकरण**

बम्बई-400020, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० एफ 48-ए०डी० (एटी)/75-भाग II—श्री अमर नाथ तिवारी, जो पूर्वी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कानपुर के कार्यालय में सहायक अभियोजन अधिकारी थे को 16 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से परिणोदित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 पर अस्थायी क्षमता में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

वे 16 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से परिवीक्षा अवधि में दो वर्षों तक के लिये रहेंगे।

हरनाम शंकर,  
अध्यक्ष



## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना

कार्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 3 अक्टूबर, 1975

सं० सी० ए० 5/बंबई (थाना)/फब्रुअरी/75/237/75-76

यतः मुअ, एच० एस० श्रीलक्ष्म

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 24, हिस्सा 4 है तथा जो कि कोपरी (थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोहनदास टिकमदास डेबला सूर्योदय नगर प्लाट नं० 10, कोपरी कालोनी, थाना। (अन्तरक)

2. श्री टिकम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 68, सी०-बिल्डिंग, प्रेम नगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, थाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट और मकान सं० नं० 24, हिस्सा नं० 4, कोपरी, थाना, क्षेत्रफल 11 गुंठा-1331 वर्ग यार्ड्स-1112.90 वर्ग मीटर्स जो निम्न प्रकार से स्थित है:—

पश्चिम की ओर से—सं० नं० 40 गुला नं० 63।

पूर्व के ओर से—सं० नं० 24, हिस्सा नं० 2।

उत्तर के ओर से—सं० नं० 39, गुला नं० 60 पीटी० और दक्षिण की ओर से—सं० नं० 24, हिस्सा नं० 3 गटक-64

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1473/दि० 11-2-75 को सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस्० श्रीलक्ष्म,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 3-10-1975  
मोहरः

प्रकाशित ०१.११.७५

(1) Pennuru Venkata Subbarao S/o Krishnaiah,  
Morrispetta, Tenali.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) Sri Nidadavolu Pattabhiramaiah,  
Sri Niddavolu Jaggaiah,  
Sri N. Narsimharao, N. Satyanarayanamurthy  
and Ch. Subbarao.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

Acq. File No. 244/I.No. s.695&amp;696/GIR/74-75

यतः मुझे B. V. Subbarao.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
861/30-60 cents with Rice and Dall Mill, है तथा जो

Vinukonda में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
Vinukonda में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per document Nos. 108 and  
109 of 1975 of the S.R.O., Vinukonda.

B. V. SUBBARAO,  
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 240/J.Nos. 8&amp;9/GTR/75-76,

यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 1-4-18/10 Ward No. VIII, Block No. X, है तथा जो Durgaprasad St. Nazarpeta, Tenali में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Tenali में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. Inuguri Rajeswari, W/o Krishnamurty  
Sri Inuguri Krishnamurty, Provisions Mer-  
chant, Athabira, P. Bargar Taluk, Sambalpur  
Dt. Orissa.

(अन्तरक)

(2) Chundru Suramka Narasimharao,  
Represented by mother Smt. Ch. Sasireka Devi,  
Tenali,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 998 & 999/1975 of Sub-Registrar, Tenali.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File. No. 241/J. Nos. 655, 656 & 196/WG

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०

157/1&157/2, Rice Mill, Velagalapalli village,

है जो Pragadavaram Sivaru, Chintalapudi Taluk. में  
स्थित है (और इससे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Chintalapudi,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 15-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Late E. Ramakrishna Chowdary,  
Represented by his legal heir,  
(2) K. Ch. Satyam and M. Ramarao.

(अन्तरक)

(2) Sri Chundru Laxmi Narasimharao,  
(2) Ch. Venkatanarasamma and Ch. Venkates-  
wararao.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय  
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 97, 98,  
99 of 1970 and 3290 of 1974 of S. R. O. Chintalapudi  
and Eluru.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

(1) Rajapantula Suryarao etc. Payakaracpeta.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) Varnasi Dalayya, Vizianagaram.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, I काकीनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

Acq. File No. 242/J. No. VSP. 214/74-75,

अतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 16-1-12, Main Road, है, तथा जो

Vizianagaram, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची

में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

Vizianagaram, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन ता० 15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल

से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त

अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया

जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

3—306GI/75

The schedule property as per document Nos. 268 of  
1975 of S.R.O., Vizianagaram.

अनुसूची

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज काकीनाडा

दिनांक : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 243/J. Nos. 222&223/VSP,

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं०

10-27-6, Opposite to Circuit House, Waltair Uplands,  
है, तथा जो Vizag-3, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, Visakhapatnam, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Shri R. S. S. Vasan, Shift Engineer  
Coltex Oil Refinery, Visakhapatnam, 2. A. B.  
Krishnarao, Retd. Dist. Registrar, Vizag.  
(अन्तरक)

(2) 1. A. V. Subbarao, S/o A. B. Krishnarao, Vizag.  
2. A. Seetaramarao S/o A. B. Krishnarao,  
Vizag.  
3. A. K. Murty Sastry S/o A. B. Krishnarao.  
Vizag.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 696 &  
697 of 1975 of S. R. O. Visakhapatnam.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 14/एक्यूजीशन/आगरा/75-76--/1530--

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रणपाल सिंह व  
कुवेन्दु पाल सिंह वल्द श्री सूरजपाल सिंह  
निवासी मथुरा दरवाजा, वृन्दावन (अन्तरक)
2. ओम नगर सहकारी गृह निर्धारण समिति (अन्तरिती)  
लि० सरजेपुर आगरा द्वारा स्थापित  
सत्य नारायन चोजर वल्द जगतनारायन जिल०  
मदिया कटरा आगरा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 2 बीघा 15 बिस्वा खाता नम्बरी 16 जो सरजेपुर जिला आगरा में स्थित है, 49,500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 6/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1528—अतः मुझे  
एफ० जे० बहादुर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के अधीन, तारीख  
19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोनस, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती हरनाम कौर बेवा (अन्तरक)  
मेजर हरनाम सिंह सा० जामन मोहल्ला  
लाल मूर्ती बाजार, मेरठ कैंट
2. धन पौथोहर बिरादरी मेरठ कैंट (अन्तरिती)  
बजरिए चौ० नरेन्दुसिंह प्रेसीडेंट

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति डबल स्टोरीड नं० 90, जो जामन मोहल्ला  
लालमूर्ती मेरठ कैंट में स्थित है, 75,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
की गई है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 3/एक्यूजीशन/हापुड़/75-76/1527—अतः  
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद नसीब पुत्र (अन्तरक)  
श्री हाजी इदवा जाति शेख  
निवासी हापुड़ मोहल्ला गंज नूर बाफान  
जिला मेरठ
2. (1) श्री खजान सिंह पुत्र श्री नारायन सिंह (अन्तरिती)  
(2) काला राम पुत्र नारायन सिंह  
(3) कांति सिंह पुत्र नारायन सिंह  
(4) गोपाल सिंह पुत्र नारायन सिंह  
(5) श्रीमती भगवान देवी  
वल्द नोबत राम  
(6) श्रीमती मेगो देवी बेवा श्री  
बन्नी प्रसाद निवासी 524, शिवपुरी,  
हापुड़, मेरठ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खा० नं० 416 रकबा 2-8-0 कुल व खाता नं० 380 रकबा 1-13-11 का अपना 1/2 भाग कुल व 190 रकबा 9-15-0 का 1/2 भाग अपना कुल व 209 रकबा 18-10-0 का 1/5 भाग कुल बकदर 11 बीघे 3 बिस्वे 18 फिस्वांसी सोलह सही 2/3 बसंवांसी पक्की भूमि विक्रय हुई जो ग्राम उसौड़ा परगना व सहसिल हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है, 99,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-9-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 189/एक्यूजीशन/देहरादून/74-75/1529—

अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —:

1. के० पी० लैन्ड एण्ड प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरक)

52 राजपुरा रोड,  
देहरादून बीजरिये मैनेजिंग डायरेक्टर  
एण्ड जनरल आटोमोबाइल श्री एस० पी०  
कोचर

2. श्रीमती कमला धवन (अन्तरिती)

पत्नी श्री बनारसी दास धवन, 21,  
प्रेमपुरी गाजियाबाद

3. श्री आर० एन० थादानी, किरायेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 1 इन्दुरोड, देहरादून जो 74,000 रु०  
मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक, 26 सितम्बर 1975

निदेश नं० 174/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1540—अतः

मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 25-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मुखतार पुत्र मंगत

(2) श्री भगवान सहाय

(3) श्री शम्बर पिसरान श्री दलीप

निवासी पुरवा शम्बाप्रसाद आनन्दपुरी

मेरठ शहर

(अन्तरक)

2. (1) श्री मेहेन्द्र कुमार पुत्र लाला सुलेक चन्द

निवासी आनन्दपुरी, मेरठ

(2) पवनकुमार पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी

56/4, शिवाजी पथ, मेरठ शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट 1 व 2 रकबई 380,4/9 वर्ग गज, देवपुरी मेरठ  
जोकि 22, 827 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 26-9-75

अर्जन रेंज, कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर तारीख 26 सितम्बर 1975

निदेश नं० 172/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1539—अतः,  
मुझे एफ० जे० बहादुरआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 25-2-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री मुखतार पुत्र मंगत (अन्तरक)

(2) श्री भगवान सहाय

(3) श्री अब्बर पिसरान दलीप

निवासी पुरवा अम्बा प्रसाद आनन्दपुरी  
मेरठ।

2. श्री राम गुप्ता पुत्र श्री वीरम चोबे (अन्तरिती)

निवासी आनन्दपुरी, मेरठ शहर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉटस नं० 6, 7, 8 रकबई 615.5/9 वर्ग गज वाले  
देवपुरी शहर मेरठ जो 36,932 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया  
गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 26-9-75

(अर्जन रेंज), कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 172/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1538—अतः  
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख 25-2-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—306GI/75

1. श्री मुख्तार पुत्र मंरात (अन्तरक)

(2) श्री भगवान सहाय

(3) श्री लब्बर पिसरान दलीप

निवासी पुरवा अम्बा प्रसाद आनन्दपुरी  
मेरठ

2. श्री पवन कुमार जैन (अन्तरिती)

पुत्र श्री प्यारे लाल जैन साकिन 26/4

शिवा जी पथ, शहर मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

561, 2/3 वर्ग गज भूमि प्लाट्स नं० 17 ता 20 जो  
देवपुरी शहर मेरठ में स्थित है 33,700 रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
किया गया है।

(एफ० जे० बहादुर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख : 25-9-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 170/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1537—अतः, मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 143 और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मुख्तार पुत्र मंरात (अन्तरक)

(2) श्री भगवान सहाय पुत्र दलीप

(3) श्री झन्वर पुत्र दलीप निवासी

पुरवा अम्बा प्रसाद आनन्दपुरी,  
जिला मेरठ शहर

2. श्री राधे लाल पुत्र रतन लाल जैन (अन्तरिती)

साकिन फूला कुआँ, मेरठ शहर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

651 वर्ग गज प्लॉटस नं० 12 ता 14, जिस का क्षेत्रफल 651 वर्ग गज है और जो कस्बा मेरठ देवपुरी में स्थित है, 39,060 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 25-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 168/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1536—अतः  
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुख्तार पुत्र मंगत (अन्तरक)  
(2) श्री भगवान सहाय  
(3) श्री लब्बर पिसरान दलीप निवासी पुरबा अम्बा  
साकिन आनन्दपुरी मेरठ शहर

2. श्रीमती शशी बाला पत्नी श्री ओम  
प्रकाश उधराम साकिन 294, प्रेमपुरी  
मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

434 वर्ग गज भूमि प्लाटस नं० 10 व 11 जो देवपुरी  
शहर मेरठ में स्थित है 26,040 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया  
गया है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 25-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर तारीख 15 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 236/एकजीक्यूशन/मुजफ्फरपुर/74-75/

1650—अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मुजफ्फरपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 23-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री मदन मोहन लूथरा (अन्तरक)

पुत्र डा० हरेशा निवासी सिविल लाइन,  
मुजफ्फरनगर

2. श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी (अन्तरिती)

चौ० बिशम्बर सिंह

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी

श्री राज कुमार दिवासीगण दूदाहेरी

डा० रवास परगना खतौनी त० जनसठ

जिला मुजफ्फरनगर

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 185 मय घर दुकानात जो सिविल लाईनस  
मुजफ्फरनगर में स्थित है, 85,000 रु० मूल्य में हस्तअन्तरित  
किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 15-10-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 157/एक्यूजीशन/हरीद्वार/75-76/1659—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरीद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डा० उदय राम भारद्वाज (अन्तरक)

पुत्र श्री भोला शंकर निवासी मोती लाल  
नेहरू मेडिकल कालेज अलाहाबाद  
मुख्तार आम श्री अनिल कुमार भारद्वाज  
पुत्र उदय राम भारद्वाज निवासी  
नाटिराम इंगलैन्ड।

2. श्री रवि दास साधू (अन्तरिती)

सम्प्रदाय सोसाइटी (पंजाब) द्वारा संत  
सेवा दास उप प्रधान,  
शिष्य सन्त पूर्ण दास वाले ताल भक्त  
जिला होशियारपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 39000 वर्गफुट जोकि निर्मला चावनी, मायापुर जिला

हरिद्वार में स्थित है, 29,250 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख : 9-10-1975

(अर्जन रेंज), कानपुर

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 158/एक्यूजीशन/हरिद्वार/75-76/1658—

प्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 25-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० उदय राम भारद्वाज (अन्तरक)

पुत्र श्री भोला शंकर निवासी मोती लाल  
नेहरू, मेडिकल कालिज इलाहाबाद  
मुख्तार ग्राम श्री अनिल कुमार  
भारद्वाज पुत्र उदय राम भारद्वाज,  
नाटिराम इंगलैन्ड

2. श्री रवि दास साधू

सम्प्रदाय सोसायटी (पंजाब) द्वारा

सन्त सेवा दास उप प्रधान, शिष्य सन्त  
पूर्ण दास कालेताल भक्त,  
जिला होशियारपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 3 जिस का क्षेत्रफल 36,000 वर्ग  
फुट है और जो निर्मला चावनी, मायापुर जिला हरिद्वार में स्थित  
है, 36,000 रु० में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख : 9-10-75

(अर्जन रेंज), कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 82/एक्यूजीशन/कैराना/75-76/1660—

अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम लाल पुत्र श्री चिक्की मल (अन्तरक)  
जैन निवासी शामली
2. श्री भगवान दास पुत्र गंगा राम (2)  
सुभाष चन्द (3) हरी किशन, पुत्रगण  
श्री भगवान दास अरोड़ा,  
निवासी शामली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गृह सम्पत्ति दोहरी मंजिल नं० 335, 335/1, 335/2, और 335/3 जोकि शामली जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है 80,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख : 8-10-75

(अर्जन रेंज), कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 9 अक्तूबर 1975

निदेश नं० 189/एक्यूजीशन/आगरा/75-76/1661—  
अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टोडर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मन सिंह, (अन्तरक)  
निवासी मौजा दहतौरा परगना व जिला  
आगरा
2. श्री अमर सिंह वर्मा पुत्र  
श्री भूरे लाला (2) मुनहरी लाल  
(3) भगवती प्रसाद (4) हरी किशन  
पुत्रगण श्री अमर सिंह वर्मा (5) कुमारी  
विमला पुत्री अमर सिंह वर्मा निवासी  
हरजूपुरा तेजगंज, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर जमीन रकबा नं० 159 जिसका क्षेत्रफल 14  
बीघा 12 बीसवा और 5 बिस्वसी है और जो मौजा दहतौरा  
जिला आगरा में स्थित है, 1,46,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
किया गया है।

एफ० जे० बहादुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
तारीख : 9-10-75 (अर्जन रेंज), कानपुर  
मोहर :

**प्रकरण आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1975

निदेश नं० 94/एक्यूजीशन/कानपुर/75-76/1531—

अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत्त में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—306GI/75

1. श्रीमती श्रीला कुबे

बेवा श्री मनोहर लाल निवासी 25/24,

बराधी खाना, कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री बन्नी प्रसाद भोज

नागरवाला पुत्र श्री अमरचन्द भोज

नागरवाला बिरहाना रोड, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

अचल सम्पत्ति कुछ हिस्सा डबल स्टोरिड बिल्डिंग और कुछ हिस्सा खण्डरात हालत में सम्पत्ति नं० 25/24 जो बराधी खाना कानपुर में स्थित है, 1,20,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

(एफ० जे० बहादुर)

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-9-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22-9-75

निदेश नं० 96/अव्यूजीशन/कानपुर/75-76/1532:—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1975 को,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री दामोदर तिवारी, निवासी 128/जी/45, किदवाई नगर, कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्री सत्य प्रकाश पाण्डेय पुत्र श्री रामदीन शर्मा निवासी 128/जी/45 किदवाई नगर कानपुर (अन्तरिती)
- (3) श्रीमती सुशीला देवी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अक्षल सम्पत्ति नं० 128/जी/45 प्लॉट नं० 43 ब्लाक जी० जिस पर मकान बना है और जो किदवाई नगर कानपुर में स्थित है 44,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख:—22-9-75.

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-9-75

निदेश नं० 231 अक्यूजीशन/मु० नगर/74-75/1533:—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राहुल सोधी पुत्राश्री गोतम देव सोन्धी निवासी कोठी नं० 601 खाव्यापार निकट सृजडू चुगी, मुजफरनगर (अन्तरक)
- (2) 1. श्री धर्मबीर छाबड़ा 2 श्री हरीश चन्द छाबड़ा पुत्रगण श्री हंसराज छाबड़ा निवासी मकान नं० 2220, आर्यपुरी मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 मुरबा गर्ज है और जो मुजफरनगर जी० टी० रोड पर स्थित है (37,000) रु० मूल्य में हस्ताअन्तरित किया गया।

एफ० जे० बहादुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :- 23-9-1975

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-9-75

निदेश नं० 232/अक्यूजीशन/सु० नगर/ 74-75/1534:—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री राहुल सौन्धी पुत्र श्री गौतम देव सौन्धी निवासी कोठी नं० 601 खाद्यापार निकट सूजड़ चुंगी, मुजफरनगर (अन्तरक)
- (2) श्री कैलाश चन्द्र व श्री सुभाष चन्द्र, पुत्रगण लाला हंसराज छाबड़ा निवासी भकान नं० 220 आर्यपुरी, मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 मुरबा गज है और जो जी० टी० रोड मुजफरनगर में स्थित है (37,500) रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :—23-9-75

मोहर :—



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22-9-75

निदेश नं० 52/अकजुजीशन/गाजियाबाद/75-76/1535:--  
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-  
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 6-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नरेश कुमार पुत्र लाला सेवक चन्द सिधल पुत्र व  
मुखतारभामा मजरा इन्तकाल जायदाद भित्तजाविब  
श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी सेवक चन्द सिधल निवासी  
13, रमते राम रोड गाजियाबाद जिला मेरठ  
(अन्तरक)

(2) श्री काशमीरी लाल व (2) श्री ओम प्रकाश  
पुत्रगण लाला करम चन्द अहूजा निवासी गान्धी नगर  
गाजियाबाद परगना ब्यैनी जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालिम एक अदद फिरी होल्ड रिहायशी प्लॉट नम्बर, 36  
रकवई 1223 वर्ग गज पैमायशी जो रेजीडेन्शाल कालोनी सेवक चन्द  
(नरेन्दुनगर) गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है (61150)  
रु० मूल्य में हस्तामन्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :- 22-9-75

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8-10-75

निदेश सं० ए० सि० 31/आर-II/कलकत्ता/75-76 :— अतः  
मुख्य, आर० वि० लालमोया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी दाग सं० 353, 355, 356, 357 और 361/  
476 है तथा जो मौजा रामपुर, थाना महेशतला, 24-परगना  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्स  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 16-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोरंजन बनिक, 20 कालीकृष्णा ठाकुर स्ट्रीट  
कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) श्री ग्रहण कान्ती धर, सन्तोषपुर गवर्नमेन्ट कोलनी  
थाना महेशतला, 24-परगना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

24-परगना, थाना-महेशतला, मौजा-रामपुर में आर० एस०  
सं० 352, ख सं० 276, जे० एल० सं० -20, और दाग सं० 353,  
355, 356, 357 और 361/475 का खाली जमीन जिसका क्षेत्र-  
फल 2-बिगा 7-कठा, 4 छटाक और 16-वर्ग फुट है।

आर० वि० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II कलकत्ता-16

तारीख :—8-10-1975  
मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——— .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6-10-1975

निदेश सं० ए सि-30/आर-II/कलकत्ता / 75-76:— अतः,  
मुझे, आर० वि० लालमोया;  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 42-डब्ल्यू और 42-बी है तथा जो राजा सन्तोष  
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रेजिस्ट्रार  
आफ एगुरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 20-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बनबारी लाल गोयेका, 37/1 महर्षी देवन्द्रा रोड  
कलकत्ता (अन्तरक)

(2) नारायण प्रसाद गोयेका, 45, सरहरिराम गोयेका  
स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 42-डब्ल्यू और 42-बी राजा सन्तोष रोड, कल-  
कत्ता में दो प्लॉट जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 कठा, 4 छटांक, 6  
वर्गफुट और 2 कठा, 4 छटांक, 6 वर्ग फुट है।

आर० वि० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II  
कलकत्ता-16

तारीख:—6-10-75

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

दिनांक 6-10-75

निदेश सं० ए० सि० 26/आर-II/कल/75-76:— अतः,  
मुझे, आर० लालमोया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 42X, 42Y, 42-P, और 42-एन० है तथा  
जो राजा सन्तोष रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार अक्युसुरेन्स कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 20-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कृष्णा देवी गोयेंका 37/1 महर्षि देवन्द्र रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण प्रसाद गोयेंका 45, स्यार हरि राम गोयेंका  
स्ट्रीट कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

42-सेक्स, 42-वाई, 42-पी और 42-एन, राजा सन्तोष  
रोड, कलकत्ता में चार प्लॉट जमीन जिनका क्षेत्रफल 1 कठा, 15-  
छटांक, 1 कठा 15 छटांक, 2 कठा 8 छटांक, और 1 कठा 8 छटांक  
है। कुल जमीन 6 कठा 16 छटांक है।

आर० वि० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II  
कलकत्ता-16.

तारीख:— 6-10-75

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनांक अक्टूबर 75

निर्देश सं० 263/ एकुरे-III/75-76/कल:— अतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 158 ए, है तथा जो पिकनिक गार्डन रोड, कल-  
कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—  
6—306GI/75

- (1) श्री अशोक कुमार घोष और अभिक कुमार घोष 65/2  
हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता । (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बेलमेट फुटवार् कर्पो० प्रा० लि० 216,  
रासबिहारी एभिन्यु कलकत्ता । (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स ए. के० जि० इन्डस्ट्रीज, (ग्रंथ में) । (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

करीब 8 बिघा जमीन और तलाब जमीन साथ उस पर बनाया  
मकान, स्ट्राकचरस, शेड, वर्कशाप और सीमाना-  
प्राचीर जो पौर सं० 158 ए० पिकनिक गार्डन रोड, कलकत्ता पर  
अब स्थित है और जो दलिल सं० 1-713/1975 द्वारा रजिस्ट्री-  
कृत हुआ, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस कलकत्ता के साथ ।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद किदवाई रोड  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16.

तारीख : 6-10-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड, अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० टि० आर०-917/सी-1-327/कल०-I/74-75:—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 28 है तथा जो स्ट्रुंड रोड में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, 5 गर्बनमेन्ट, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सालेभाई ईसुफअली (2) फखरुद्दीन मुल्ला  
सालेभाई (3) जाकिउद्दीन मुल्ला सालेभाई  
(अन्तरक)
2. (1) श्री कुरबन हुसेन हुसेनअली (2) मोहम्मद हुसेन  
मुल्ला कुरबन हुसेन (3) हसाना मुल्ला कुरबन  
हुसेन (अन्तरिती)

3. (1) ईस्टर्न मशिनरी कारपोरेशन (2) एफ०  
हुसेन एण्ड ब्रादर्स (3) ईनलैन्ड हार्डवेयर एण्ड टूल्स  
(4) ए०वी० जोशी एण्ड सन्स (5) मेहरा ट्रेडिंग को०  
(6) सुनील कुमार मुकर्जी (7) इन्डियन एसब्रेस्टस  
एण्ड ईन्सुलेशन को० (8) ईन्जीनियरिंग स्टोरस एण्ड  
एजेन्सी (9) मोहम्मद फरूक (10) बेनेर्जी एण्ड  
ब्रादर्स (11) जीवन लाल एण्ड को० (12) एन०  
एन० मुकर्जी (13) बोजा ब्रादर्स (14) हिन्दुस्तान  
ट्रेडिंग को० (15) डाउद हाई सालेभाई  
(16) स्टील रोलिंग मिल्स आफ बंगाल  
एण्ड को० (17) ओवरसीस स्टोरस एण्ड  
एजेन्सी (18) केटलवेल बुलेन एमप्लाइज को०  
ओ० क्रेडिट सोसाईटी लिमिटेड (19) चन्द्रकान्त  
हीरालाल (20) सरन ट्रेडिंग को० (21) इन्जि-  
नियरिंग स्टोरस एण्ड सप्लाय को० (22) चन्द्र मोहन  
(23) नरफक एशिया (24) आयल हाईड्रोलिक्स।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री मोहसिन भाई यूसुफअली मसालिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

28 स्ट्रुंड रोड कलकत्ता में अब स्थित 8 कट्टा 6 छटांक 22वर्ग  
फिट जमीन पर तिन तल्ला निवास का मंजिल में अन्तरक का  
हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 10-10-75

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्रीमति दासि राणी घोष ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मुहम्मद अशरफ ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड, अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्तूबर 75

निदेश सं० टि० आर०-66/सि०-60/कल०-I/74-75:—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24/2 है तथा जो सेरिफ लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वनमेन्ट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

24/2 सरिफ लेन, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 4 कट्टा जमीन ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख :—9-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड, अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्तूबर 1975

निदेश सं० टि० आर०-8 /सि-8/कल०-1/75-76:—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24/2 है तथा जो सरिफ लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्बेन्मेन्ट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति दासि राणी घोष । (अन्तरक)
- (2) मुहम्मद अशरफ । (अन्तरिती)
- (3) श्री जय कृष्ण गौर (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

24/2 सरिफ लेन कलकत्ता में अब स्थित 2 कट्टा 3 छांटांक 5 वर्ग फिट, एक जमीन ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16.

तारीख : 9-10-75

मोहर :—



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, दिनांक 8 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/कोल्हापुर मार्च/75/244/75-76:—

यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 30, सी० टी० एस० नं० 2100 के० 78 ई-वार्ड, रूमीकार कालोनी, कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनसुखलाल मणोलाल वसा प्लॉट नं० 12, रूमीकार कालोनी, कोल्हापुर-5। (अन्तरक)

(2) श्री वाडी लाल लखमीचन्द शाह 2113/के० निबाल-कर कालोनी पूना-बंगलौर रास्ता, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं०-30, सी० टी० एस० नं० 2100 के०-78, ई-वार्ड, रूमीकार कालोनी, कोल्हापुर तक मजंला 1590 वर्ग फीट पहिला मजंला -800 वर्ग फीट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 814 दि० 20-3-75 को सब-रजिस्ट्रार कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, 60/61 एरंडबना, कर्वी, रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/कोल्हापुर/फरवरी 75—243/  
75-76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० ब्लाक नं० 149 शाहु मार्केट है जो तथा कोल्हापुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोल्हापुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 17-2-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. शा० मणी लाल देवसी एण्ड कम्पनी, कोल्हापुर  
पार्टनर्स :— (1) मणीलाल देवसी बसा (2) मनसुख लाल मणीलाल  
बसा (3) सतीशकुमार मणीलाल बसा (4) श्रीमती  
ज्योत्स्ना जवाहरिलाल बसा सभी वार्ड-ई, ब्लाक नं०  
29, कोल्हापुर (अन्तरक)

2. श्री देवगोंडा रामगोंडा, पाटील वार्ड-ई, शाहु मार्केट, ब्लाक  
नं० 136, कोल्हापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी, ब्लाक नं० 149 इमारत और छोड शाहु मार्केट  
वार्ड, कोल्हापुर प्लॉट क्षेत्रफल—2550 वर्ग फीट (जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 441 दिनांक 17-2-75 को सब-रजिस्ट्रार कोल्हा-  
पुर के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड पुना

पुना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/फरवरी-75/हवेली-II/(पुना)/  
239/75-76—यतः, मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा, 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6-बी/17 सी० टी०  
एस० क्र० 14 है तथा जो बंड गार्डन, पुना में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पुना) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 14-2-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी सेन्ट्रल बैंक एक्जीक्यूटिव एण्ड ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड  
जहांगीर वाडीया बिल्डिंग, 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1 (2)  
होरमसजी बोभनजी बीडी, बम्बई (अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खली एण्ड सन्स, 628 खत्री हाऊस, 13 बी  
रस्ता, खार, बम्बई-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन, सब डिवायडे फ्लॉट क्र० 6-बी-7, सी० टी०  
एस० क्र० 14 बंड गार्डन, पुना।

जो बड़े जमीन का सब डिवायजन प्लॉट क्र० स० क्र० 85,  
प्लॉट क्र० 1 है, देहात माली, तहसील-हवेली, जि० पुना में स्थित  
है।

क्षेत्रफल:—1031.33 वर्ग मीटर्स।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 305 फरवरी 75 में  
सब-रजिस्ट्रार हवेली-II, पुना के दफ्तर में लिखा है।

एच० एस० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडबना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/फरवरी 75/हवेली-II (पूना) 242/75-76—यत्, मुझे, एच० एस० श्रीलख  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब डिवायडेड प्लॉट क्र० 4, सी० टी० एस० क्र० 14 है तथा जो बंड गार्डन, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली- II पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. दी सेंट्रल बैंक एक्जीक्यूटिव एण्ड ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड, जहांगीर वाडिया बिल्डिंग 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1 (2) होरमजी बोभन जी बीडें बम्बई (अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खन्नी एण्ड सन्स 628 खन्नी हाऊस, खार पाली रोड, खार, बम्बई-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्री होल्ड जमीन—सब डिवायडेड प्लॉट नं० 14 सी० टी० एस० नं० 14 बंड गार्डन पूना ।

जो बड़े जमीन का सब डिवायडेड प्लॉट सर्वे क्र० 85 प्लॉट क्र० 1 का है, जो देहाल माली, तहसील—हवेली, जि० पूना में स्थित है।

क्षेत्रफल :—507.51 वर्ग मीटर्स :

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 304 फरवरी 75 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्बे रोड पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/फरवरी 75/हवेली-II/(पूना)/240/  
75-76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 सी० टी० एस० नं० 14 है तथा जो  
बंड गार्डन (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हवेली-II पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-306 GI/75

1. श्री सेंट्रल बैंक एक्जीक्यूटिव एण्ड ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड,  
जहांगीर वाडीया बिल्डिंग 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1

(2) होरमजी बोभनजी बिरडी बम्बई (अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खत्री एण्ड सन्स, 628 खत्री हाऊस, खार-  
पाली, रोड, खार, बम्बई-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन, प्लॉट नं० 2, सी० टी० एस० नं० 14,  
बंड गार्डन, पूना।

जो बड़े जमीन का सब डिवाइजन प्लॉट नं० स० क्र० 85,  
प्लॉट नं० 1 है, देहान माली, तहसील—हवेली जि०—पूना में  
स्थित है।

क्षेत्रफल :—508.80 वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 302 फरवरी में सब-  
रजिस्ट्रार हवेली-2, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना कर्बे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी 75/हवेली-II, (पूना)/  
241/75-76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलक्ष्म  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सब डिवायडेड प्लॉट नं० 3, सी० टी० एस०  
नं० 14 है तथा जो बंड गार्डन, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी सेंट्रल बैंक एक्जीक्यूटिव एण्ड ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड,  
अहांगीर वाडीया बिल्डिंग, 51 एम० जी० रोड, बम्बई (2) होरमनी  
बोभनजी बिर्डी बम्बई (अन्तरिती)

2. मे० ए० जे० खत्री एण्ड सन्स 628 खत्री हाऊस, खार  
पाली रोड, खार, बम्बई-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन, सब डिवायडेड प्लॉट नं० 3, सी० टी० एस०  
नं० 14, बंड गार्डन, पूना ।

जो बड़े जमीन का सब डिवायडेड प्लॉट नं० स० क्र० 85, प्लॉट  
नं० 1 है जो देहात माली, तहसील—हवेली, जि०—पूना में स्थित है ।  
क्षेत्रफल :—513.89 वर्ग मीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 303 फरवरी 75 में  
सब-रजिस्ट्रार के हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

एच० एस० श्रीलक्ष्म

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना—411004

पूना, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5/जून/75/अहमदनगर/235/75-76—  
यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलक्ष्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 297/2, 297/4 ए० 297/6 बी/3;  
297/5 है तथा जो मौजे नालेगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. (1) दिनकर सदाशिव नगरकर  
(2) श्रीमती मंदाकिनी बाई दिनकर नगरकर  
(3) श्री भालचन्द्र दिनकर नगरकर  
सब रहनेवाले कान्हूर पठार, तहसील—पारनेर, जि०—  
अहमदनगर (अन्तरक)

2. अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज, अहमदनगर  
के लिए श्री हणमंतराव कृष्णाजी काके, अहमदनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जिराईत और बागाईत जमीन मौजे नालेगांव, जिला—  
अहमदनगर

सर्वे क्रमांक	क्षेत्रफल
	एकर—गुंठा
297/2	0—28
297/4 ए०	2—32
नया सर्वे क्र० 297/6 बी०/3	0—38
जुना सर्वे क्र० 297/6 ए०/1	
297/5 नें से 1/2 हिस्सा	0—05

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 613 जून 1975 में  
सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलक्ष्म

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई (थाना) मार्च 75/238/75-76

—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सं० नं० 331 और 231 हैं तथा जो पंचपाखड़ी,  
थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन  
दिनांक 5-3-1975 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती जीवनलता पुरुषोत्तम दास केडिया
2. विप्रनाथ पी० केडिया
3. जगदीशप्रसाद पुरुषोत्तम केडिया
4. शान्ती कुमार पी० केडिया
5. राजकुमार पी० केडिया
6. भागीरथी पी० केडिया
7. दिनेशकुमार पी० केडिया
8. विमलादेवी बालकृष्ण पालन
9. निरंजन देवी हरीकिशन कनोडिया
10. भानुमति गोपीकिशन मखारिया
11. सरोजकुमार शांति प्रसाद केडिया
12. भारती एस० रुईया
13. मधुकुमारी जगदीश प्रसाद केडिया
- पा० क० पिता जगदीश प्रसाद केडिया सबका पता  
252 बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 (अन्तरक)
- (2) नितीन कास्टिंग प्रायवेट लिमिटेड, 21 रोपवाक  
स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन के टुकड़े—पंचपाखड़ी, थाना में स्थित, जिसका वर्णन  
निम्नलिखित है :—

सं० नं०	हिस्सा नं०	एकड़	गुंठा
331	0	3	2
231	2	0	1. 1/2

कुल मिलके 14943 वर्ग यार्ड्स

(जैसकि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 347, दि० 5-3-75  
को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 3-10-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 अक्तूबर 1975

निदेश सं० III-108/अर्जन 75-76/1261—यतः  
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी हो० सं० 367, बा० सं० 9 है, तथा जो गोविन्द  
मित्रा रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 10-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती प्रतिभा बला मित्रा जोजे स्व० पशुपति नाथ  
मित्रा, श्री पारेश नाथ मित्रा, श्री सोमन मित्रा, श्री  
समर कुमार मित्रा वल्दान स्व० पशुपति नाथ मित्रा,  
श्रीमती अनुका मित्रा, श्रीमती गोपा मित्रा दोनों  
(पुत्री स्व० पशुपति नाथ मित्रा, सभी निवासी  
26-मोहन बगान लेन, कलकत्ता-4  
श्री मती अशोका घोष जोजे श्री सोम नाथ घोष,  
राधा नाथ मल्लिक लेन, कलकत्ता-12, श्रीमती  
मनिका घोष जोजे श्री समिर प्रसाद घोष, 103/ई,  
विधान सरानी, कलकत्ता-4 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जमन्ती खेवी जोजे श्री बन्नी नारायण प्रसाद  
चौधरी, महल्ला—भखनिया कुआं, थाना—पीरबद्दोर  
पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 कट्ठा सहित दो मंजिला मकान जो हो० सं०—367  
का हिस्सा है, सकिल सं०—23, बा० सं० 9 जो गोविन्द मित्रा  
रोड पटना में है तथा जो दस्तावेज दिनांक 10-2-75 में पूर्णतया  
वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 10-10-75

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० III 109/अर्जन/75-76/1262—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी हो० सं०-367, वा० सं०-23 है, तथा जो गोविन्द मिश्रा रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-75 को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्रीमती प्रतिभा बला मिश्रा जोजे स्व० पशुपति नाथ मिश्रा, श्री पारेश नाथ मिश्रा, श्री सोमन मिश्रा, श्री समर कुमार मिश्रा वल्दान स्व० पशुपति नाथ मिश्रा; श्रीमती अनुका मिश्रा, श्रीमती गोष्पा मिश्रा दोनों (पुत्री) स्व० पशुपति नाथ मिश्रा, सभी निवासी 26-मोहन बगान लेन, कलकत्ता-4 श्रीमती अशोका घोष जोजे श्री सोमनाथ घोष, 9-राधा नाथ मल्लिक लेन कलकत्ता—12, श्रीमति मनिका घोष जोजे श्री समिर प्रसाद घोष, 103/ई—विधान सारणी, कलकत्ता-4 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी जोजे श्री जय नारायण प्रसाद चौधरी, महल्ला मखनिया कुआं, थाना—पीछहोर, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 2 कट्ठा 6 छटांक सहित एक मंजिला मकान जिसका हो० सं०—367, सकिल सं० 23 बार्ड सं० 9 है जो गोविन्द मिश्रा रोड पटना में है तथा जो वस्तावेज दिनांक 10-2-75 में पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 10-10-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अक्तूबर 1975

निदेश सं० III-107/अर्जन/75-76/1248—यतः,

मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं०—384 तथा खाता सं०—348 है, तथा जो तरी, आरा शहर, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-2-75 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कुशिला के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगलेश्वर प्रसाद सिंह, श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह, श्री नरेन्द्र कुमार सिंह वल्दान बाबू दुर्ग विजय प्रसाद सिंह, श्रीमती बेयासो कुंवर जीजे बाबू दुर्ग विजय प्रसाद सिंह, सा०—मिरगज, आरा शहर, जिला—भोजपुर (अन्तरक)

(2) श्री जवाला वस जलान वल्द श्री बनारसी वस जलान, सा०—तरी, आरा शहर, जिला—भोजपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 कट्ठा 8 धुर 10 धुरकी मय मकान, सा०—तरी, आरा शहर, जिसका तौजी सं०—30, धाना सं०—236, खाता सं०—348 प्लॉट सं०—384, हो० सं०—254 (पुराना) एवं 283 (नया), सैकिल सं०—2, बार्ड सं०—5 जो जिला भोजपुर में है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 8-10-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अय्यम्माल और परसुरामन, सेलम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० पी० मारिमत्तु मुदलियार सेलम (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश सं० /1/140/74-75—यतः, मुझे जी०  
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सर्वे सं० 102 और 104, है, जो बाबुमाय  
कुट्टे, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया

अनुसूची

सेलम टोन, बाबुमायकुट्टे सर्वे सं० 102 और 104 में खाली  
भूमि (पत्र सं० 677/75)—वैस्ट्रन साईड साऊथ टु नार्थ  
106', ईस्ट्रन साईड-50', और 46' और नारदन साईड 54½'

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

दिनांक : 9-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अय्यम्माल और परसुरामन, सेलम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्तूबर 1975

निदेश सं० XVI / 1/141/74-75—यतः, मुझे जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 102 और 104, है, जो दादुमाय कुट्टे सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—306GI/75

(2) श्री एस० पी० मारिमुतु मुदलियार सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम टाउन, दादुमायकुट्टे सर्वे सं० 102 और 104 में खाली भूमि (पत्र सं० 678/75), पूर्व भाग 106' उत्तर 50' पूर्व 46' और उत्तर सं० दक्षिण 54½' उत्तर भाग पूर्व सं० पश्चिम 62' और दक्षिण 21'.

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख 9-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० IX /5/56/74-75—यतः, मुझे, जी० रामनातन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 118 और 119, है, जो नैनियप्प नायक स्ट्रीट,  
मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) एन० एम० आर० जम्बुनातन, मदुरै-1 (अन्तरक)
- (2) प्लास्टो मेटल, मद्रास-3 (अन्तरिती)
  - (1) दि सखोदया सरजिक्लस
  - (2) सम्पत सरामिक्स (पी) लिमिटेड और ग्लास  
कारपोरेशन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास 3, डोर सं० 118 और 119, नैनियप्प नायक  
स्ट्रीट, में 1642 स्कवेयर फीट की भूमि और मकान—आर०  
एस० सं० 9149 (पत्र सं० 145/75)

जी० रामनातन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास।

दिनांक : 10-10-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

(1) श्री टी० जयदेव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 1

(2) श्रीमती आर० तमयन्ति (अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-10-75

निदेश सं० एफ० 2389/74-75—यतः मुझे, जी० वी०

झाबक

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० टी० एस० सं० 936-एफ० है तथा जो नया डोर सं० 64, रेस कोर्स रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 487/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, रेस कोर्स रोड, नया डोर सं० 64, में 25 सेन्ट की भूमि जिसका टी० एस० सं० 936 एफ।

जी० वी० झाबक  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 16-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

सं० एफ० 2389/74-75—अतः मुझे जी० वी० झाबक,  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 936-बी है तथा जो नया डोर  
सं० 64, रेस कोर्स रोड, कोयम्बटूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं० 488/75)  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक फरवरी, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टी० सतियदेव

(अन्तरक)

2. श्री डी० रामस्वामी,  
श्रीमती आर० वीसालाशि; और  
वेकटेश सुदर्शन (मैनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कोयम्बटूर, रेस कोर्स रोड, नया डोर सं० 64 से 55-15  
सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं०  
936-बी ।

जी० वी० झाबक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008,

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० 2397/74-75—यतः मुझे जी० बी० झावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोरसं० 247, 247ए, 248, 249 और 250 है तथा जो ब्रफ रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1, ईरोड, (डाकुमेंट सं० 517/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० सेन्नियप्पन; मुरुगुसेन (मैनर); और  
सुब्बरायन (मैनर)  
(अन्तरक)
2. श्री बी० अन्नदन; और  
मोहन (मैनर)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, ब्रफ रोड, डोर सं० 247, 247-ए, 248, 249 और 250 में आधा भाग।

जी० बी० झावक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4 3/5; 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15 है तथा जो जगनाला गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकुमेंट सं० 238/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी, 1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की (उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

2. श्री मदन; श्री जोहि, श्री सेन्तमल्लन, श्रीमती बेबियम्माल, श्री नोजन, श्री चद्रन और श्री पालराज

(अन्तरक)

2. श्री नन्जन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जगनाला गांव में 6-84 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3; 3/4; 3/5; 5/1; 5/2ए; 5/3; 4/2, 18/1 और 15।

जी० वी० झाबक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2; 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2 बी में है तथा जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूतूर (डोकुमेंट सं० 239/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन, श्री जोहि, श्री सेनमल्लन, श्रीमती बेबियम्माल, श्री बोजन, श्री चद्रन और श्री पालराज ।

(अन्तरक)

2. श्री चद्रन, कृष्णनन, नरेद्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जगनाला गांव में 7-44 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2 बी ।

जी० वी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2, ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15 है तथा जो जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनूर (डाकुमेंट सं० 240/75), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन, श्री जोहि, श्री सेन्नमल्लन, श्रीमती बेवियम्माल, श्री वोजन, श्री चन्द्रन, श्री पालराज और श्री तेवन।

(अन्तरक)

2. श्री एन० अर्दर मदन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगनाला गांव में 6-84 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2, ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15।

जी० बी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2-बी, है तथा जो जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकुमेंट सं० 241/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—306GI/75

1. श्री मदन, श्री जोहि, श्री सेन्नमल्लन, श्रीमती बेनियम्माल, श्री बोजन, श्री चन्द्रन और पालराज ।

(अन्तरक)

2. श्री कन्नन; दर्मेन, बालकृष्णन और सेवनन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जगनाला गांव में 7-44 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2-बी ।

जी० वी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 137/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22, 5-9-29/31, है जो, बशीर बाग, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स आनन्द बिल्डिंग कांफेरिशन,  
प्रतिनिधित्व :

भागीदार, अनिल कुमार

द्वारा, 53, पेंडर घास्ट रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स कौर मारवाह पत्नी मोहिन्दर सिंह मारवाह  
भारुमल म्यानशेन, बशीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22, नं० 5-9-29/31, दुमंजिला, भारुमलम्यानशेन,  
प्लॉट नं० 5, बशीर बाग, प्यालेस, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

सं० 146/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-661 का खुली जमीन सोमाजी गूडा है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती बी० कमलम्मा पत्नी बी० किस्टम् नायडू मुड्डुमुडी मौजा, नेल्लूर जिला, मुरसार नामादार श्री टी० योगय्या नायडू ।

(2) श्री पी० बी० नरसिम्हाराव, पुत्र श्री रामय्या डोकीपारु मौजा, कृष्णा जिला ।

(3) आर० बुच्चम्माई पत्नी आर० श्रीरामलू नायडू मद्रास-67, मुस्तार नामादार, एच० लक्ष्मी नर-सिम्हाराव, पुत्र वेंकय्या, ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शाह सन्स (प्राईवेट) लिमिटेड, 5-3-335 आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद-3 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

सर्वे नं० 35, प्लेट नं० 6-3-661 में खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1339 वर्ग मीटर्स, सोमाजीगूडा, हैदराबाद ।

उत्तर : मैसर्स शाह फार्म

दक्षिण : सी० सी० रोड

पूरव : पड़ोस के चौहद्दी

पश्चिम : शाह आटो इन्जीनियरिंग कं० ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-10-75

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 140/75-76- यतः, मुझे, एस० के० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-1-361/1, सुलतानपूरा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपूरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल सलाम बन्दगी,  
प्रोप्राइटर : युनाइटेड ट्रेडर्स, तिलक रोड, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) डाक्टर श्रीमती महमूदा बेगम,  
(2) डा० इकबाल मोईन,  
मि० ए० सं० करीमनगर, दवाखाना  
(अन्तरिती)

2. (1) श्री टी० लक्ष्मय्या  
(2) श्री टी० नरसिंगराव,  
(3) श्री डी० लक्ष्मन राव  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 22-1-361/1, सुलतान पूरा, हैदराबाद जिसके चौहद्दी यह है :

20 उत्तर : मकान तथा बाग स्व० रफीयुद्दीन साब के।  
दक्षिण : 20' चौड़ा सड़क।  
पूरब : उबेदुल्ला के खाली जमीन।  
पश्चिम : 30' चौड़ा सिमेंट रोड।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-75

भोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 134/75-76—यतः, मुझे, के० एम०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 16-9-683 तथा 684, पुराना मलकपेट है, जो  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 14-2-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सचदेव पुत्र लालजी, 16-9-683 तथा 684  
पुराना मलकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री सी० वेंकट नारायण रेड्डी पुत्र एस० चन्द्रा रेड्डी  
यमनाल मौजा, हैदराबाद जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 16-9-683 और 684,  
हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 133/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
बेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 16-9-683 तथा 684 का भाग, पुराना मलकपेट  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 14-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० एल० सचदेव, पुत्र लाल जी, 16-9-683 और 684  
पुराना मलकपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री टी० अरुन्धती पत्नी श्री टी० कृष्णारेड्डी  
(2) श्री सी० विजया कुमारी पुत्री श्री सी० नारायण  
रेड्डीदेवराया मीजा, हैदराबाद जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16-9-683 और 684 का भाग, पुराना मलकपेट,  
हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निदेश सं० आर० ए० सी० 131/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-1-27, हिन्दुपुर है, जो अनन्तापुर जिला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिन्दुपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० राधाकृष्णय्या, 18-1-66, फीदर रोड, हिन्दुपुर, अनन्तापुर, जिला । (अन्तरक)

2. श्री बी० चन्द्रगुप्ता, 16-6-16- नट बजार हिन्दुपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—16-1-27 हिन्दुपुर, अनन्तापुर जिला ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्तूबर 1975

सं आर ए० ए० सी० 143/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-1111/3 किंग कोटी रोड है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० सुरेन्द्र कुमार राय बाहादुर पुत्र स्व० हकीम नारायण दास, 3-6-20 हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री ससिक लाल कापाडिया 450, ए० क्लास, आगापुरा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5-9-1111/3, किंग कोटी रोड, हैदराबाद, क्षेत्रफल 226 वर्ग गज

उत्तर—5-9-1111/4

दक्षिण—ग्राम रास्ता

पूरब—5-9-1111/2

पश्चिम—पडोस के सम्पत्ति

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, (हैदराबाद)

तारीख: 13 अक्तूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 13 अक्तूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 144/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-1111, 7, 8 का भाग किंग कोटी रोड  
है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—306GI/75

1. श्री बी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20,  
हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री उमर अली खान, 5-9-1111 किंग कोटी रोड,  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किसे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

### अनुसूची

नं० 7, 8 का भाग नं० 5-9-1111 किंग कोटी रोड, हैदराबाद  
क्षेत्रफल 374 वर्ग गज, चौहद्दी :—

पूरब—सी० सी० रोड

पश्चिम—पड़ोस के सम्पत्ति ।

उत्तर—10 नं० भाग का 5-9-1111

दक्षिण—5, 6 नं० भाग का 5-9-1111

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्तूबर 1975

सं० आर० ए०सी० 145/75-76 :—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-9-1111 किंग कोटी रोड है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20, हिमायत  
नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) वी० सुशाश, (2), वी० मुरली मोहन 23-5-  
1080, गौली पूरा मार्केट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5-9-1111/1 किंग कोटी रोड, हैदराबाद, 241 वर्ग गज  
क्षेत्रफल।

पूरब —किंग कोटी रोड,

पश्चिम —9-9-1111/2

दक्षिण —चर्च रोड

उत्तर—5-9-1111/5

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्तूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 142/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-9-1111/5, किंग कोटी रोड है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
24 फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20, हिमायत  
नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० बी० कृष्णाराव, युनाईटेड किंगडम् के निवासी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-9-1111/5, किंग कोटी रोड, हैदराबाद, क्षेत्रफल  
209 वर्गगज।

पूरब—रास्ता।

पश्चिम—5-9-1111/425

दक्षिण—भाग नं० 1

उत्तर—भाग नं० 7

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्तूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 141/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० भाग नं० 2, का 5-9-1111 है, जो किंग कोटी  
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 24 फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर, 3-6-20, हिमायत  
नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० राधाकृष्णा पुत्र सत्यानारायणन 5-9-1117,  
किंग कोटी रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं० 2, का 5-9-1111 किंग कोटी रोड, हैदराबाद  
घोहड़ी

पूरब—5-9-1111 का भाग नं० 1,

पश्चिम—5-9-1111 का भाग नं० 3

दक्षिण—एल० आई० सी० क्वार्टर्स से रास्ता

उत्तर—पडोसे

क्षेत्रफल—233 वर्ग गज

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 अक्तूबर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्तूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 147/75-76—यतः, मुझे, के० एस०

वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फलयाट नं० ए० 2-5, 4 मंजला है, जो पूनम अपार्टमेंट में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्प लता गुप्ता भागीदार मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स मार्फत तोता राम सागर लाल एण्ड सन्स, आविड रोड, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती नगीना फहीम मुस्तार नामाधार श्रीमती रसीद फातिमा, 5-9-20914/, रसीद विल्ला, चिराग गल्ली, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1-9376 का हिस्सा जो 5-8-512 स 517-सी० के नं० में चिराग अली लेन हैदराबाद में स्थित है । जिसका वर्णन डोकुमेंट सं० 792/75 है ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्तूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 138/75-76—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लायट नं० 23, 5-9-29/32, दु-मंजीला है, जो  
बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 17 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आनन्द बिलडिंग, कार्पोरेशन, प्रतिनिधित्व भागीदार  
अनिल कुमार द्वारा 53, पेंडर घास्ट रोड, सिकन्दाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कमल सुन्दरी पूरी पत्नी के० एस० पूरी फलयाट  
नं० 23, भेरूमल म्यानेशन, बशीर बाग, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फलयाट नं० 23, नं० 5-9-29/32, दु-मंजिला, भेरूमल  
म्यानेशन, प्लॉट नं० 5, बशीर बाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी०/135/75-76—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-90 से 95 कल्लूर है, जो अनंतापुर जिला  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनंतापुर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया: प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. लिंगरकर अम्बाजी राव पुत्र नागोजीव राव  
2. लिंगरकर चिनाजी राव पुत्र नागोजी राव  
पामीडी मोजा, गूटी तालूका, अनंतापुर जिला  
(अन्तरक)
- (2) 1. एलाकंटी चिनावेंकट स्वामी  
2. एलाकंटी नागभूषणम्  
3. एलाकंटी सुब्रमण्यम्  
बन्द मेदा पल्ली मोजा, चक्रे पेट, माजारा, अनंतापुर  
जिला।
- (3) श्री लकुरु लक्ष्मी नारायणा, पामीडी मोजा, गूटी तालूका,  
अनंतापुर जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—फयाकटरी बिल्डिंग, गोदामें तथा अन्य बान्धा  
हंआ जिसके नं० 5/90, 91, 92, 93, 94, 95, कल्लूर तालूका,  
अनंतापुर जिले में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 136/75-76—यतः मुझे, के० एस  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 5-9-29/23-ए, है, जो बशीरबाग  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
20-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स आनन्द बिल्डिंग कारपोरेशन, सिकन्दराबाद प्रति-  
निधित्व भागीदार श्री अनिल कुमार द्वारा, 53, पेंडरघास्ट रोड,  
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री मास्टर नरिन्दर पाल सिंह मारवां अध्यक्ष, संरक्षक  
श्री एस० मोहिन्दर सिंह मारवा द्वारा भारमूल म्यानशन,  
बशीरबाग, हैदराबाद (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, नं० 5-9-29/23-ए, निचला मजला, भारमूल  
म्यानशन प्लॉट नं० 5 पर, बशीर-बाग प्लायालेश, हैदराबाद

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 139/75-76—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-92/1 का भाग एम० जी० रोड है, जो सिक-  
न्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908<sup>1</sup> (1908 का  
16) के अधीन 14-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-306GI/75

- (1) (1) सुलतानुल्लोह बाबूखान,
- (2) बशीरुल्लोह बाबूखान
- (3) श्रीमती सईदा बानू
- (4) श्रीमती जमीला बानू
- (5) श्रीमती फरीदा बानू
- (6) श्रीमती तुरब बानू
- (7) श्रीमती बादर बानू
- (8) श्रीमती दिलावर बानू
- (9) श्रीमती नसरत बानू
- (10) श्रीमती शाहजादी बेगम

इन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः नामाक्षर श्री गैसुल्लोह  
बाबूखान पुत्र स्वर्गीय खान बाहदुर अब्दुल करीम बाबू खान,  
5-4-66, से 92, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

श्री तिलक राज अग्रवाल पुत्र धानसिंग राय अग्रवाल नं० 1,  
गली नं० 2, उमानगर, बेगम्पेट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-4-92/1 का पूरा भाग जिसका क्षेत्रफल 566 वर्ग गज  
है जो रानी गंज, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 8 अक्तूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 132/75-76—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-8-644 से 646 आविड सर्कल है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सय्यदुन्निसा बेगम पत्नी मीर हसन अली खान,  
नं० 4-1-1236/2, किंग कोटी रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) कुमारी नूरजहान हिम्मती सुपुत्री हसन  
हिम्मती (2) सब्बा हिम्मति सुपुत्रि हसन हिम्मति दोनों  
अवश्यक हैं प्रतिनिधित्व उनके संरक्षक माता खमर जोकरपल्ली  
हसन हिम्मती के द्वारा 5-9-217 चिराग अली लेन हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

(1) किंग सर्कल, रेस्टोरेट, प्रतिनिधित्व, भागीदार द्वारा  
(1) श्री हसन हिम्मती (2) मोहमद रिश्मा  
(जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—पूरब दिशा की ओर का 5-8-644 से 646 तक  
का भाग, जो दुमंजला है और क्षेत्रफल 26' 59.2 वर्ग मीटर्स है  
और आबिल रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/884/75-76/  
4165 :—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लौथिग्रन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
8-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संतोष नाथ सुपुत्र श्री बशेशर नाथ, निवासी बैस्ट निजा-  
मुद्दीन, नई दिल्ली। (अन्तरक)।
2. श्रीमती पुष्पा गुप्ता पत्नी श्री जी० सी० गुप्ता, निवासी  
1156, बारा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)
3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि० (2) इन्स्टिट्यूट  
आफ रेडियो टेक्नोलोजी (3) श्री किशन गोपाल तथा  
श्री जोहरी, निवासी 1658-60, लौथिग्रन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली। (यह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं० 767  
तथा नया नं० 1658-1660 है, जोकि लौथिग्रन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चर सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/883/75-76/  
4165 :—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1658/1660, जो लौथिअन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
8-4-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेश्वर नाथ, निवासी 192  
वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक)।
2. श्रीमति शैल गुप्ता, पत्नी श्री पी० सी० गुप्ता, निवासी  
1156, बारा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)
3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि० (2) इन्स्टीट्यूट  
आफ टेक्नालाजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जोहरी  
निवासी 1658/60, लौथिअन रोड, काशमीरी गेट,  
दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,  
यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं० 676  
है तथा नया नं० 1658-60 है जो कि लौथिअन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चरस सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/882/75-76/  
4165—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1658/1660 है, जो लौथिअन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारती  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 8-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संतोष नाथ, सुपुत्र श्री वशेशर नाथ, निवासी 19, वेस्ट  
निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक) ।

2. श्री पूरण सिंह नारुला, सुपुत्र श्री राम चन्द नारुला,  
निवासी 919, काशमीरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि० (2) इन्स्टीच्यूट  
आफ रेडियो टेक्नोलोजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री  
जौहरी, निवासी 1658/1660, लौथिअन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करती हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं०  
767 तथा नया नं० 1658-60 है जो कि लौथिअन रोड, काशमीरी  
गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चरस सहित बना हुआ है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 8 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/88/75-76/4165—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लोथियन रोड, काश्मीरी  
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेश्वर नाथ, निवासी 19,  
वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री मुरारी लाल गुप्ता,  
निवासी 517 गली वहल साहिब, काश्मीरी गेट, दिल्ली-1।  
(अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि० (2), इन्स्टीट्यूट  
आफ रेडियो टेक्नोलॉजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जौहरी,  
निवासी 1658 से 1660, लोथियन रोड, काश्मीरी गेट दिल्ली  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना म्युनिसिपल  
सं० 767 है तथा नया सं० 1658-60 है, जो कि लोथियन रोड,  
काश्मीरी गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चर सहित बना  
हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/880/75-76/4165—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेश्वर नाथ, निवासी 19, वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार, सुपुत्र श्री निरंजन लाल गुप्ता, निवासी 544, गली बहल साहिब गन्वा नाला, काश्मीरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि०, (2) इस्टीच्यूट आफ रेडियो टेक्नालोजी, (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जौहरी, निवासी 1658 से 1660, लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना म्युनिसिपल नं० 767 है, तथा नया नं० 1658-60 है, जो कि लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा विक्टर सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकसु० 11/1791 (891) 75-  
76/4166—यतः मुझ, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-21 का 1/2 भाग है, जो मोती नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 28-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरचरण सिंह सेठी, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह सेठी, निवासी  
के०-73, 74 वैंस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री मति मोतिया रानी, पत्नी श्री शाम सुन्दर, निवासी  
20/44 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क  
में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लॉट की भूमि  
जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जो कि बी०-21, मोती नगर,  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—

पूर्व : सड़क।

पश्चिम : जी० पो० बी० ने० बी०-20

उत्तर : गली

दक्षिण : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1790 (890)/  
75-76/4166—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-21 का 1/2 भाग है, जो मोती नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
28-2-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
12—306GI/75

1. श्री गुरचरण सिंह सेठी, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह सेठी,  
निवासी के०-73, 74 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री मती निर्मल कुमारी, पत्नी श्री प्रेम पाल, निवासी 20/  
44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जो कि प्लॉट की भूमि जिसका  
क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जो कि बी-21, मोती नगर, नई दिल्ली  
में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : सड़क ।

पश्चिम : जी० बी० पी० नं० बी०-20

उत्तर : गली ।

दक्षिण : सड़क ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्टूबर 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/889/75-76/  
4166—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 36-37 है, जो उलादनपुर गांव, शाहदरा, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री राम चन्द, (2) श्री वेद  
प्रकाश सुपुत्र श्री राम चन्द, निवासी 1157/13, रोहतास नगर,  
शाहदरा, दिल्ली-1।

2. श्री राम भगत गुप्ता, सुपुत्र श्री हरी सिंह गुप्ता, निवासी  
1547-ए०, रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि का नं० 36-37, खसरा नं० 879/383,  
880/383 है तथा क्षेत्रफल 336 वर्ग गज है और जोकि उलादन-  
पुर गांव के क्षेत्र में, रोहतास नगर की आबादी, शाहदरा, दिल्ली-  
32 में म्युनिसिपल कारपोरेशन की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली में  
निम्न प्रकार से स्थापित है :—

पूर्व : सड़क 20 फुट

पश्चिम : सड़क 16 फुट

उत्तर : अन्य मकान

दक्षिण : सड़क 16 फुट

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/888/75-76/  
4166—यतः, मुझे एस० एन० एल० अश्रवाल, आयकर अधिनियम;  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8, उलादन पुर गांव है, जो शाहदरा इलाका,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 28-2-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. (1) श्री जगदीश लाल, सुपुत्र श्री दीवान चन्द, (2)  
श्रीमती बीना वाली, पत्नी श्री एल० श्री हरी राम, स्वयं तथा कुमारी  
सरोज जिसकी आयु करीब 14 वर्ष है के लिए प्राकृतिक सारंक्षक,  
सुपुत्री स्वर्गीय श्री हरी राम तथा सोनू आयु करीब 5 वर्ष है, सुपुत्र  
स्वर्गीय श्री हरी राम, (3) श्रीमती किरण, (4) श्री विरेन्द्र  
कुमार, सुपुत्र श्री हरी राम, सभी निवासी 5530, सदर बाजार,  
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राधे श्याम, सुपुत्र श्री राम स्वरूप, निवासी 7/520,  
जवाला नगर, शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट की भूमि का नं० 8 है तथा क्षेत्रफल 290 वर्ग गज है  
और खसरा नं० 1033/709/634/402-407-408 है  
तथा जो कि तबीन शाहदरा की आबादी में, उलादनपुर गांव,  
शाहदरा के इलाके, दिल्ली-31 में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : जायदाद अन्य लोगों की

पश्चिम : प्लॉट नं० 7

उत्तर : सड़क 20 फुट

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अश्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/887/75-76/4166—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 31/28 है, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती सरस्वती देवी, विधवा पत्नी श्री अर्जन दास कुमार, निवासी 31/28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री धर्म पाल कपूर, निवासी 5/5209, कृष्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट की भूमि पर एक मंजिला मकान, जिस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और जो कि 31/28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क।

पश्चिम : सविस लेन।

उत्तर : मकान नं० 31/29

दक्षिण : मकान नं० 31/27।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/885/75-76/  
1467—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
727 (निम्न मंजिल) है, जो नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मार्च, 1975 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्राण नाथ, सुपुत्र श्री मुरारी लाल, निवासी 825,  
नई बस्ती, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सरन, सुपुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी  
727, नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली-1।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग नं० 727 की निम्न मंजिल जोकि नई बस्ती, कटरा  
नील, चांदनी चौक, दिल्ली वार्ड-11 में निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : मकान नं० 918

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 II, आसफ अली रोड

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/886/75-76/4166—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 727 (1 तथा 2 मंजिल) है, जो नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० प्राण नाथ, सुपुत्र श्री सुरारी लाल, निवासी 825, नई सड़क, दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्रीमती किरण बती, पत्नी श्री बलवीर सरन, निवासी 727 (पहली मंजिल), कटरा नील, नई बस्ती, चांदनी चौक, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बिल्डिंग नं० 727 की पहली तथा दूसरी मंजिल जोकि नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली वाडें में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : गली

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : भूकान नं० 918

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० प्रार०-III  
अप्रैल/252 (17)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी० परीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग प्लॉट नं० 53/6, डब्ल्यू०  
ई० ए० है, जो देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरचरण कौर, पत्नी श्री लाल सिंह, मकान नं०  
79/5648, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री तजीन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री अरजन सिंह, मकान नं०  
27, रोड सं० 56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

3. (1) मै० कोहली साईकिल वर्क्स
- (2) मै० राजेश्वरी इन्टरप्राइजेज
- (3) मै० वालसन ग्लूज
- (4) मै० भारत बविध्या (प्रा०) लि०
- (5) श्री के० सी० भगत
- (6) श्री टी० सी० ककर
- (7) श्री शाम चन्द गुप्ता
- (8) श्री मदन लाल
- (9) श्री टी० एस० ककर
- (10) श्री एस० एन० मुकरजी, एडवोकेट
- (11) श्री ललीत मोहन

निवासी 53/6, डब्ल्यू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड  
पर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि  
कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जो कि लीजहोल्ड जायदाद का जिसे  
सभी अधिकार प्राप्त है, जिसका प्लॉट नं० 53/6, डब्ल्यू० ई० ए०  
देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में ठाई मंजिला बना है  
और जिसका क्षेत्रफल 268 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल) जो कि खसरा  
नं० 759/10 में खाता खेवात नं० 1, खतौनी नं० 367 में है  
तथा जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : जायदाद प्लॉट नं० 53/3 पर।

पश्चिम : जायदाद प्लॉट नं० 53/7 पर

उत्तर : सविस लेन

दक्षिण : देश बन्धु गुप्ता रोड

एस० सी० परीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-  
III/अप्रैल/251 (16)/75-76/3938---यतः मुझे, एस०  
सी० परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग प्लॉट नं० 53/6  
पर बनी जायदाद का डब्लू० ई० ए० है, जो देश बन्धु  
गुप्ता रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-4-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भुविन्दर पाल सिंह, सुपुत्र श्री लाल सिंह,  
मकान नं० 79/5648, रहगरपुरा, कारोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री तजिन्दर पाल सिंह, सुपुत्र श्री अरजन सिंह,  
मकान नं० 27, रोड नं० 56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

- (3) 1. मैं कोहली साईकिल वर्क्स।  
2. मैं राजेशवरी एनटरप्राईसिस।  
3. मैं बालसन शूज्स।  
4. मैं भारत बविधया (प्रा०) लि०।  
5. श्री के० सी० भगत।  
6. श्री टी० सी० ककर।  
7. श्री शाम चन्द गुप्ता।  
8. श्री मदन लाल।  
9. श्री टी० एस० ककर।  
10. श्री एस० एन० मुकरजी, एडवोकेट।  
11. श्री ललीत मोहन।  
निवासी 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड  
पर, कारोल बाग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जोकि लीजहोल्ड जायदाद का  
जिसे सभी अधिकार प्राप्त है जिसका प्लॉट नं० 53/6 डब्लू०  
ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली में  
वाई मंजिला बना है जिसका क्षेत्रफल 268 वर्ग गज (कुल  
क्षेत्रफल) जोकि खसरा नं० 759/10 में खाता खेवाल नं०  
1 खतौनी नं० 367 में है तथा निम्न प्रकार से धिरा है :—

पूर्व : जायदाद प्लॉट नं० 53/3 पर

पश्चिम : जायदाद प्लॉट नं० 53/7 पर

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : देश बन्धु गुप्ता रोड।

एस० सी० परीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/IIIएस० आर०-III/अप्रैल/253(18)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी० परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग जायदाद नं० 53/6, डब्लू० ई० ए०, करोल बाग, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्द्र पाल सिंह, पुत्र श्री लाल सिंह, निवासी मकान नं० 79/5648, रहगपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

13-306GI/75

(2) श्री ताजिन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री अर्जन सिंह, निवासी मकान नं० 27, रोड नं० 56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

- (3) 1. मैं कोहली सार्दिकल वर्क्स,
2. मैं राजेशवरी एनटरप्राइसिस,
3. मैं बालसन शर्मा,
4. मैं भारत बर्विधिया (प्रा०) लि०,
5. श्री के० सी० भगत,
6. श्री टी० सी० ककर,
7. श्री शाम चन्द गुप्ता,
8. श्री मदन लाल,
9. श्री टी० एस० ककर,
10. श्री एस० एन० मुकरजी, एडवोकेट,
11. श्री ललीत मोहन,

निवासी 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड पर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जायदाद लीजहोल्ड अधिकारों सहित प्लॉट नं० 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में दार्ई मंजिला जिसका क्षेत्रफल 269 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल) जोकि खसरा नं० 759/10 खाता खेवाल नं० 1, खतौनी नं० 367 में है और निम्न प्रकार से घिरा है:—

पूर्व: जायदाद नं० 53/5

पश्चिम: जायदाद नं० 53/7, पर प्लॉट

उत्तर: सर्विस लेन

दक्षिण: देश बन्धु गुप्ता रोड।

एस० सी० परीजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 29 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अजी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 3/एस० आर० 2/  
मार्च/791(11)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी०  
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 सड़क नं० 53-बी० 1/2  
भाग है, जो पंजाबी बाग के गांव मादीपुर दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 7-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सत पाल गुलाटी पुत्र श्री किशन चन्द गुलाटी  
म० नं० जे०-116 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री मै० घेरू मल कपूर एंड सन्स, 66, जी० बी०  
रोड, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समाप्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रौहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित क्षेत्रफल 666.66 वर्ग गज  
जिसका (333.33 वर्ग गज 1/2 भाग) जिसका प्लॉट नं०  
12 सड़क नं० 53-बी० जो कि पंजाबी बाग नामक कालोनी  
के गांव मादीपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से विभा है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 10

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क नं० 53-बी०

एस० सी० परीजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ० 3/एस० आर० 2/  
मार्च/792(12)/75-76/3938—यतः मुस एस० सी०  
परीजा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 12 सड़क नं० 53-बी०  
है, जो पंजाबी बाग के गांव मादीपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 7-3-1975

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सत पाल गुलाटी पुत्र श्री किशन चन्द गुलाटी  
निवासी सं० नं० जे०-116 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27 ।  
(अन्तरक)

(2) मै० घेरू मज कूर एंड सन्स, 66 जी० बी०  
रोड, दिल्ली-6 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना है ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 666.66 वर्ग  
गज (333.33 वर्ग गज 1/2 भाग) जिसका प्लॉट नं०  
12 तथा सड़क नं० 53-बी० जो कि निवासी कालोनी  
पंजाबी बाग के गांव मादीपुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली में निम्न  
प्रकार से धिरा है :—

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क नं० 53-बी०

पूर्व : प्लॉट नं० 10

पश्चिम : सड़क

एस० सी० परीजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

4/14 ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 3/एस० आर० 3/  
फर०/205(12)/74-75/3938—यतः मुझे, एस० सी०  
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० क्यू०-1, होज खास इन्कलेव है, जो नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 28-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बिरजा माधव गुप्ता पुत्र स्व० श्री बिगुल  
चन्दर गुप्ता संयुक्त परिवार का काँ, निवासी क्यू०-1,  
होज खास इन्कलेव, नई दिल्ली-16। (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती लियोन्टीना मदान पत्नी श्री सुरिन्दर  
सिंह मदान; और

2. श्री सुरिन्दर सिंह मदान पुत्र श्री उदय सिंह मदान  
निवासी 6 पार्क एवेन्यु, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड दुमजिली जायदाद मकान नं० क्यू०-1 (रियर  
पोर्सन) होज खास इन्कलेव, नई दिल्ली-110016 जो कि  
प्लॉट के क्षेत्रफल 385 वर्ग गज जो कि कार्पोरेशन की सीमा  
में निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : सड़क

उत्तर : लान

पश्चिम : बंगला नं० क्यू०-2

दक्षिण : बंगला नं० क्यू०-1 का बाहरी भाग।

एस० सी० परीजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-II/  
अप्रैल 1/712(40)/75-76/—यतः मुझे, चं० वि०  
गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित  
भाग है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसार  
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री एस० के० कपूर, पुत्र स्वर्गीय श्री चुन्नी लाल  
कपूर, निवासी जे०-12/34, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैंबल पैन्टल, पत्नी श्री सुरीन्द्र सिंह,  
निवासी एस०-415, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग जिसका  
क्षेत्रफल 266 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी  
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली के याकबतपुर गांव के क्षेत्र में दिल्ली  
राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई०-52

पश्चिम : प्लॉट नं० ई०-48

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
फरवरी-1/620(42)/74-75—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग है, जो ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० के० कपूर, सुनुव श्री चुन्नी लाल, निवासी  
न० जे० 12/34 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री एस० मुरीन्द्र सिंह, सुनुव श्री जगजोय सिंह,  
निवासी एस० 415, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग जिसका  
क्षेत्रफल 266 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालौनी  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के गांव याकबपुर, दिल्ली राज्य,  
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लॉट नं० ई०-52

पश्चिम: प्लॉट नं० ई०-48

उत्तर: सविस लेन

दक्षिण: सड़क।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/  
जून/319(17)/75-76/4160—यतः मुझे, एम० सी०  
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० बाई 38 है, जो हाउस खास,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 11-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० पी० भट्टाचारजी, मुपुत्र स्वर्गीय श्री बी०  
के० भट्टाचारजी, निवासी आई० 261, डी० डी० ए० पवैडन,  
नरैणमा, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती (1) कृष्णा कुमारी विरमानी, पत्नी श्री  
हरभगवान दास विरमानी,

(2) श्री हरभगवान दास विरमानी, मुपुत्र श्री माया  
दास विरमानी, निवासी जी० 15/9, माधवीया नगर, नई  
दिल्ली (अन्तरिती)

(3) श्री एन० सी० वैतरजी (2) ए० राय, निवासी,  
बाई० 38, हाऊस खास, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बाई मंजिला मकान फ्री होल्ड मकान जोकि प्लॉट नं०  
बाई० 38, पर बना हुआ है तथा जिसका क्षेत्रफल 200  
वर्ग गज है और जोकि निवासी कालौनी हाउस खास, नई  
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 39

पश्चिम : लेन

उत्तर : लेन

दक्षिण : सड़क।

एस० सी० परीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III  
मार्च-2/689(40)/74-75/—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग एम० 255 है,  
जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री बलबंत सिंह चतरथ, सुपुत्र श्री लाल सिंह  
चतरथ, निवासी 873, कुतब रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा पारुथी, पत्नी श्री दीवान चन्द  
पारुथी, तथा श्री दीवान चन्द पारुथी, निवासी 4/71, डब्ल्यू०  
ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग  
जिसका नं० 255, ब्लॉक नं०, 'एस' है तथा क्षेत्रफल 400  
वर्ग गज है और जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11  
नई दिल्ली में दिल्ली राज्य के यूनिटन टैरीटरी में निम्न  
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० एम०-253

दक्षिण : प्लॉट नं० एम०-257।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू०/1/एस० आर० 3/  
मार्च-2/682(38)/74-75—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० एस० 326, का 1/2 अविभाजित भाग  
है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-  
1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—306GI/75

(1) श्री एस० दीवार सिंह तथा एस० सेवा सिंह, सुपुत्र  
श्री गुरमुख हंसह, निवासी डी० 3/12, माडल टाउन, दिल्ली-9  
(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह, सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह, द्वारा  
मै० बलवन्त सिंह, हरबंस सिंह, गली भोजपुरी, मालीबारा,  
नई सड़क, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लॉट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग जिसका  
क्षेत्रफल 476 वर्ग गज, प्लॉट नं० 326, ब्लॉक नं० 'एस०'  
है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली  
में दिल्ली के यूनियन टेरिटोरी के गांव बहारपुर में निम्न  
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लॉट नं० एस०/328

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 67-आर/ए० सी० क्यू०—अतः, मुझे, विशम्भर

नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो वस्की उपरहर इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण (अन्तरक)

2. श्री राज देव पान्डे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट नं० 216 का भाग 3 बिस्वा जो कि वस्की उपहार जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 68-आर/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो वस्की उपाहार में स्थित है (और इससे उपाहार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण (अन्तरक)

2. श्री राम आधार जायसवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फिला प्लॉट नं० 216 जिसका भाग 3 बिस्वा है जो कि वस्की उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 40-के०/ए० सी० क्यू०:—यतः, मुझे, विशम्भर  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो वस्की उपाहार में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण चन्द्र और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट नं० 216 जिसका तीन बिस्वा जो कि  
वस्की उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 16-डी०/ए० सी० क्यू०:—यतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो बस्की उपाहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधा कृष्ण (अन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट नं० 216 जिसका 3 बिस्वा जो कि बस्की उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राधा कृष्ण (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अरुन कुमार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 52-ए०/एक्यू०:—अतः मुझे, विशम्भर,  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो वस्की उपहार जि०  
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट नं० 216 जिसका 3 बिस्वा जो कि वस्की  
उपहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 252/ए०सी०क्यू०-23-407/19-7/74-75:—

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 70-1 पेकी खुली जमीन 7865 वर्ग गज है, तथा जो भाजुरा गांव, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) रमन लाल मोती राम देसाई (2) मंजूला बेन मोती राम देसाई (3) प्रकाश रमन लाल देसाई (4) बसंतराय मोतीराम देसाई (5) तारा बेन बसंतराय देसाई (6) पंकज बसंतराय देसाई (7) कांता बेन जयंती लाल देसाई (8) इन्द्र वदन जयंतीलाल देसाई (9) बकुला बेन इन्द्रवदन देसाई, सग्राम पुरा, सूरत (अन्तरक)

2. आनंद मंगल टेक्सटाईल कं०, जेल के पीछे, खटोदरा, अपने सहियारी श्री हरधवन मोहन लाल जरीवाला द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे सं० 70/1 कुल माप 7865 वर्ग गज है तथा जो मजुरा गांव, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1764 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 10 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 353/ए० सी० क्यू०-23-411/19-8/74-75:—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 168 पंकी खुली जमीन 11786 वर्ग गज है, तथा जो मजूरा, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रूपम आर्गेनाईजर्स मारफत एच० जे० हाजीवाला, जेल के पीछे, खटोदरा, सूरत। (अन्तरक)

2. हरी ऊँ इंडस्ट्रीयल सर्विसीज सोसायटी ली० उच्छना, मगदला रोड़, सूरत की ओर से उसके : प्रमुख : हीरालाल गणपत राम बुन्की होन मेनेजर : जिमनलाल कृपाराम कमीटी मेम्बर : मनहर लाल काशीराम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 168 कुल माप 11786 वर्ग गज है तथा जो मजूरा गांव, उच्छना-मगदला रोड़, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1751 में प्रदर्शित।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10 अक्टूबर 1975

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th September 1975

No. F.6/75-SCA(I).—On his attaining the age of superannuation Shri G. Natesan, Permanent Section Officer, Supreme Court of India has retired from the Service of the Registry with effect from the afternoon of 30 September, 1975.

The 1st October 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Syed Qaiser Karim, Assistant as Officiating Section Officer with effect from 1st October, 1975 for a period of six months in the first instance vice Shri G. Natesan, retired Section Officer.

R. SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th October 1975

No. P/1864-Admn.I.—Smt. Lakshmi Raja Ram Bhandari, an officer of the Indian Defence Accounts Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 22nd September, 1975, until further orders.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

## CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; ADMINISTRATIVE REFORMS)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd October 1975

No. PF/S-68/65-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri S. S. Darbari, PP., CBI, on deputation to CBI from Madhya Pradesh State, as Sr. PP on deputation in the C.B.I. with effect from the forenoon of 25th September, 1975 on ad-hoc basis in a temporary capacity, until further orders.

The 4th October, 1975

No. 5/30/74-AD. I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services, (Classification, Control and appeal) Rules 1965, Director, CBI & I. G. P., SPE, hereby appoints the following officers substantively to the post of Office Superintendent in CBI, Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A. R.) with effect from 23rd September, 1975.

Sl. No.	Name	Present place of posting	Grade in which already permanent with date of confirmation	Branch wherein lie kept on the permanent post of O.S. in CBI.
1.	Shri H. Seshapaya	Calcutta	Head Clerk-cum-Accountant 12-8-60	Delhi (GOW)
2.	Shri K. Raghavan	Head Office	Crime Asstt. 28-3-71	Head Office

Their seniority as Office Superintendent will be in the order indicated above.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 10th October 1975

No. D-I-1/74-Estt.—Consequent on his selection for appointment on deputation as Commandant in the ITBP, Shri E. S. Bakhtawar handed over the charge of the post of Commandant, 49th Bn., CRPF on the forenoon of 20th September 1975.

No. O.II-1033/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Shyama Raina, as Junior Medical Officer in the CRPF on an ad hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 1st October 1975.

2. Dr. (Mrs.) Shyama Raina, is posted to Base Hospital, CRPF, New Delhi.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th October 1975

No. 10/6/75-Ad.I.—In continuation of this Office Notification No. 10/6/75-Ad.I dated 14th February, 1975, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri K. R. Unni as Deputy Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India with effect from the 17th August, 1975 upto the 16th February 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2/1/75-RG (Ad. I)—The President is pleased to appoint the following officers as Deputy Director of Census Operation in the offices mentioned against each in a temporary capacity with effect from 1st October 1975 until further orders:—

Sl. No.	Name and designation	Office in which appointed as Dy. Director of Census Operations	Head-quarters located at
1.	Shri Ardaman Singh Assistant Director of Census Operations.	Director of Census Operations Haryana	Chandigarh
2.	Shri A.W. Mahatme Assistant Director of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Maharashtra.	Bombay
3.	Shri B. S. Narasimha Murthy Assistant Director of Census Operations, (Technical)	Director of Census Operations, Karnataka	Bangalore

BADRI NATH  
Deputy Registrar General India &  
ex-officio Dy. Secretary

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 3rd October 1975

No. 3/4/75-AII.—Shri S. K. Chakraborty, Assistant Manager (Technical) Government of India Press, Temple Street, Calcutta, on attaining the age of superannuation, will retire from Govt. service on the afternoon of 31st October 1975.

The 7th October, 1975

No. S(45)/AII/AII.—Shri Ramesh Kumar Sareen, Technical Officer (Photolitho) has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Text Books Press, Bhubneshwar, with effect from 8th September 1975 (F.N.), until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR, Dir. of Printing.

## MINISTRY OF FINANCE

## (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

## INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 10th October 1975

No. 1019/(M).—On his attaining the age of superannuation Shri R. L. Gokhale, an officiating Stores Officer, India Security Press, Nasik Road, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1975.

V. J. JOSHI, General Manager.

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

## JAMMU &amp; KASHMIR

Srinagar, the 8th September 1975

No. Admn.I/4(26)/72-74/1887.—The Accountant General Jammu and Kashmir, has appointed Shri T. N. Kakroo, an officiating Accounts Officer, in a substantive capacity in the Accounts Officers cadre with effect from 1st August 1975.

P. K. BOSE, Sr. Dy. Accountant Genl. (A&amp;E)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 1st October 1975

No. 18319/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. SATTANATHAN, Asstt. Controller of Defence Accounts, Western Command will be transferred to Pension Establishment with effect from 30th November 1975 (AN) on expiry of leave preparatory to retirement of 91 days granted to him with effect from 1st September 1975.

No. 18216/AN-II.—The President regrets to announce the death of Shri S. K. Mehta, Dy. Controller of Defence Accounts, Western Command, on 25th September 1975. His name is accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department from 26th September 1975(FN).

The 3rd October 1975

No. 18158/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. Gopalan Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to Pension Establishment and accordingly struck off the strength of the Department w.e.f. 30th November 1975 (AN).

The 6th October 1975

No. 18151/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Pritam Singh Varma, Deputy Controller of Defence Accounts, Central Command, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31st December 1975.

No. 18299/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. G. DHAVALIKAR Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off the strength of the Department with effect from the afternoon of 30th November 1975.

S. K. SUNDARAM, Addl. Controller General of  
Defence Accounts (AN).

**MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-700016, the 19th September 1975

No. 35/75/G—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri J. Y. Mullay, Offg. Asstt. Manager—17th May, 1975
- (2) Shri D. A. Pardasani, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (3) Shri M. Madappan, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (4) Shri G. P. Sinha, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (5) Shri A. K. Gohliya, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (6) Shri A. Vinayak, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (7) Shri S. D. Pattekar, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (8) Shri S. Rajasekharan, Permt. Assistant Manager 17 May 1975
- (9) Shri B. K. Kar, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (10) Shri B. K. Pillai, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (11) Shri P. L. Sharma, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (12) Shri V. K. Bhalle, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (13) Shri V. G. Vidwans, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (14) Shri R. S. Shah, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (15) Shri R. S. Makhija, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975

- (16) Shri M. M. Gupta, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (17) Shri R. K. Singh, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (18) Shri K. M. Ganguly, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (19) Shri P. S. R. Chari, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (20) Shri V. K. Sinha, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (21) Shri R. K. Anand, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (22) Shri V. H. Joshi, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (23) Shri S. K. Roy, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (24) Shri M. R. Jetprole, Asstt. Manager—(OP) 17th May 1975
- (25) Shri A. Saxena, Asstt. Manager—(OP)—17th May 1975
- (26) Shri M. M. Sharma, Asstt. Manager—(OP)—17th May 1975
- (27) Shri A. Vairavan, Asstt. Manager (OP)—17th May 1975
- (28) Shri S. Chengalvarayan, Asstt. Manager (OP)—17th May 1975
- (29) Shri P. Francis, Offg. Asstt. Manager—17th May 1975
- (30) Shri G. Jayarao, Asstt. Manager (OP) —17th May 1975

N. 36/75/G—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager/T.S.O. with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri S.M. Bhattacharjee, Permt. Foreman—17th May 1975
- (2) Shri J. N. Malhotra, Permt. Foreman—17th May 1975
- (3) Shri B. K. Das, Permt. Foreman—17th May 1975
- (4) Shri P. N. Nigam, Permt. Foreman—17th May 1975
- (5) Shri V. L. Isreal, Permt. Foreman—17th May 1975
- (6) Shri P. J. Kardale, Permt. Foreman—17th May 1975
- (7) Shri D. N. Khotlapal, Permt. Foreman—17th May 1975
- (8) Shri K. D. Karamchandani, Permt. Foreman—17th May 1975
- (9) Shri R. P. Saxena, Permt. Foreman—17th May 1975
- (10) Shri K. D. Chakravarty, Permt. Foreman—17th May 1975
- (11) Shri K. A. Sundaram, Permt. Foreman—17th May 1975
- (12) Shri R. Natarajan, Permt. Foreman—17th May 1975
- (13) Shri A. R. Das, Offg. Staff Asstt.—17th May 1975
- (14) Shri T. A. V. R. Nambissan, Permt. Foreman—17th May 1975
- (15) Shri S. K. Marik, Permt. Foreman—17th May 1975
- (16) Shri N. Saha, Permt. Foreman—17th May 1975
- (17) Shri S. K. Sarkar, Permt. Store-Holder—17th May 1975
- (18) Shri N. Krishnamurthy, Permt. Foreman—17th May 1975

The 27th September, 1975

No. 37/75/G—On attaining the age of 58 years, the under-mentioned officers retired from service with effect from the date shown against each :

Name & Designation	Date
1. Shri G. G. Wagle, Offg., Dy. Manager (Permt. Foreman)	31st July, 1975 (A.N.)
2. Shri G. P. Fernandez, Offg., Asstt. Manager (Permt. Storeholder)	31st May, 1975 (A.N.)
3. Shri G. Rajaram, Offg. Asstt. manager (Permt. Staff Asstt.)	31st May, 1975 (A.N.)

The 9th October 1975

No. 39/G/75—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each :—

Name & Designation	Date
1. Shri S. D. Malhotra, Permt. General Manager, (S.G.)	31st March, 1975 (AN)
2. Shri A. K. Gupta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st Aug. 1974 (AN)
3. Shri B. P. Banerjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st Jan. 1975 (AN)
4. Shri P. C. Sengupta, Offg. Asstt. Manager. (Subst. & Permt. Foreman)	30th Apr. 1975 (AN)

M. P. R. PILLA  
Asstt. Director General Ordnance Factories

### MINISTRY OF LABOUR DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 30th July 1975

No. 2A(2)75-Adm.I/12183.—Shri Ganesh Prasad Gupta has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in this Directorate on probation for two years with effect from the forenoon of 19th May, 1975 and posted at Chaibasa Region, Chaibasa.

S. S. PRASAD, Director-General of Mines Safety.

### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 29th September 1975

No. Admn. 12(14)G/75.—Shri P. S. Murmu a permanent Assistant Inspector Labour Welfare (M) has been appointed as Welfare Inspector (M) on *ad-hoc* basis w.e.f. 11th August 1975 (Forenoon) and posted as such at Junnerdeo until further orders.

R. P. SINHA, Coal Mines, Welfare Commissioner.

### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

New Delhi, the September 1975

No. 6/743/64-Admn.(G)/10400.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Das relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the 31st August, 1975 (afternoon).

B. D. KUMAR, Chief Controller of I. & E.

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 30th September 1975

No. EST.I-2(104).—Shri H. N. Satyanarayana, Director (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has been permitted to retire from service voluntarily with effect from the afternoon of the 18th July 1975.

The 1st October 1975

No. EST.I-2(287).—Shri R. G. Zalani, Director (P&D) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, has been permitted to retire from service voluntarily with effect from the afternoon of the 31st July, 1975.

No. CER/10/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)TEX.I/49, dated the 15th April, 1950, namely :—

In paragraph 1 of the said Notification :—

I. (1) For item (ii) the following shall be substituted, namely :—

“(ii) These directions shall be complied with by all producers.”

(2) Item (iii) shall be deleted and item (iv) shall be re-numbered as item (iii).

II. In paragraph 2 after item (2) the following shall be added, namely :—

“(3) No producer shall use any coloured yarn in the body of a dhoti except in a border or heading thereof.”

III. This Notification shall come into force with immediate effect.

No. CER/3A/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every producer having no spinning plant shall make the following markings on the cloth produced by him on the face plait :—

1. The name of the producer.

2. The number of the permit issued to him by the Textile Commissioner or by the State Government.

NOTE (i) The markings or stamping as the case may be of words and letters shall be in English in capital letters or in Hindi in Devnagri script and numerals marked shall be the International numerals.

(ii) The height of the letters and figures shall not be less than 1 centimetre.

II. Where the cloth produced by a producer having no spinning plant, is subject to further processing by a processor, the said processor, after processing, shall in addition to the markings to be made by him, make the markings prescribed in para I above and in the manner indicated therein.

III. This Notification shall come into force with immediate effect.

No. CER/10/75A.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)TEX.I/49, dated the 15th April, 1950, namely :—

In the said Notification—

I. In direction 3.—

For the figures, marks and word ‘42’ and ‘52’ the figures, letters, marks and word ‘106.68 cms. and 132.08 cms.’ shall be substituted.

II. In direction 8—

In item (b) for the figures and mark ‘40’ the figures, marks and letters ‘101.60 cms.’ shall be substituted.

III. In direction 9—

1. In Item (a) for the figures and mark ‘2.1/2’ the figures, letters and marks ‘6.35 cms.’ shall be substituted.

2. In item (aa)—

(i) For the figures and mark ‘3/4’ the figures, mark and letters ‘1.90 cms.’ shall be substituted.

(ii) For the figures and marks ‘6’ × ‘6’ the figures, mark and letters ‘15.24 cms. × 15.24 cms.’ shall be substituted.

3. In item (c) for the figure and mark ‘9’ the figures, letters and mark ‘22.86 cms.’ shall be substituted.

4. In the Explanation III for the figure and mark ‘1/2’ the figures, mark and letters ‘1.27 cms.’ shall be substituted.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner.

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 4th October 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following namely :

## Under Clause 2—NITRATE MIXTURE

1. add "FORMADYNE" for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" after the entry "ENERGEL"
2. add "FORMAGEL for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" before the entry "GN-1"
3. add "MONOEX for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" after the entry "MONODYNE"
4. add "PULVEREX for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" before the entry "SUPERDYNE"

## Under Class 3—Division—1

5. The words and figures "for carrying out trial manufacture and tests up to 31st March, 1976" appearing after the word "PERMIGEX" shall be deleted.

I. N. MURTY,

Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL & MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
(DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-700013, the 10th September 1975

No. 6549/B/40/59/C/19A.—The *ad hoc* appointments of the following officers to the posts of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India are regularised with effect from the forenoon of 16th November 1974, until further orders :

1. Shri S. P. Mukherjee
2. Shri Saroj Bhattacharjee

Sarbashri Mukherjee and Bhattacharjee were holding *ad-hoc* appointments in the posts of Assistant Administrative Officer w.e.f. 14th November 1974 and 12th August 1974 respectively.

The 6th October 1975

No. 6519/B/11/66(RR)/EW/19C.—Shri R. Ramalingam received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Government of Tamil Nadu, Department of Industries & Commerce, in the same capacity from the forenoon of the 12th August, 1975.

V. K. S. VARADAN,  
Director General.

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 6th October 1975

No. F.11/2-1/75-A.1.—On the recommendations of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Hari Singh Yadav to the post of Scientific Officer (Class II Gazetted) in the National Archives of India at Bhopal on regular temporary basis with effect from the 1st September, 1975 (F.N.) until further orders.

(Sd/-) ILLEGIBLE,  
Director of Archives.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO  
New Delhi, the 3rd October 1975

No. 4(3)/73-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. F. Shende, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Panaji on a regular basis with effect from 18th August, 1975 and until further orders.

The 9th October 1975

No. 5(88)/67-SI.—Shri B. G. S. Rao, *ad hoc* Programme Executive Commercial Broadcasting Service, All India Radio,

Ahmedabad relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(33)/63-SI.—Shri H. S. P. Singh, *ad hoc* Programme Executive Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(113)/63-SI.—Shri D. K. Jhingran, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Rajkot relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

The 10th October 1975

No. 5(61)/67-SI.—Shri V. B. Saxena, *ad hoc* Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu relinquished charge of his post on the afternoon of the 28th June, 1975 while proceeding on earned leave for a period of 12 days from 30th June 1975 to 11th July 1975 with permission to affix Second Saturday on 12th July 1975 and Sundays on 29th June 1975 and 13th July 1975, is reverted to the non-gazetted post of Transmission Executive at the same Station with effect from the forenoon of the 1st July, 1975

No. 4(126)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Jayant Kumar Das as Programme Executive, All India Radio, Jeypore in a temporary capacity with effect from the 1st September, 1975 and until further orders.

No. 4(100)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. D. Adawadkar as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from 14th August, 1975 and until further orders.

No. 4(104)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Abdul Khaliq as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 15th September, 1975 and until further orders.

No. 6(84)/64-SI.—Shri A. V. Badhe, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Sangli relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

SHANTI LAI.,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

New Delhi 110001, the 22nd September 1975

No. 2/12/75- III—The Director General, All India Radio hereby appoints the following SEAs to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against each at the Stations/Offices of All India Radio shown against their names until further orders :

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of appointment.
1.	Shri Gurbachan Lal	Office of RE (N), AIR, New Delhi.	27-8-75
2.	Shri Raj Pal Garg	HPT, AIR, Kham-pur, Delhi.	29-8-75
3.	Shri Ram Kishan Pharia	Do.	8-7-75
4.	Shri A. P. Sinha	AIR, Ranchi	20-6-75
5.	Smt. M. L. Chawrasia	TV Centro, AIR, Bombay.	21-6-75
6.	Shri P. K. Awasthi	IPT, AIR, Gorakha-pur.	28-8-75



The 6th October 1975

No. 15/45/65-SIII.—The Director General, All India Radio hereby accepts the resignation of Shri S. D. Bhardwaj from the post of Assistant Engineer, All India Radio with effect from 31st May 1972.

P. K. SINHA  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 6th October 1975

No. 6/68/57-Est.I.—On handing over charge of the post of Branch Manager, Hyderabad to Shri S. Balasubramanian, Shri R. P. Sharma reverted to the post of Salesman from the forenoon of the 23rd September, 1975.

The 8th October 1975

No. 30/PFII/48-Est.I.—On return of Shri R. B. Mhatre, Officiating Cameraman (C.F.U.), Films Division, Bombay from leave, Shri H. S. Kapadia reverted to his substantive post of Cameraman, Films Division, Bombay with effect from 24th September, 1975 (F.N.).

M. K. JAIN,  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th October 1975

No. 48-6/75-CHS.I.—On his transfer, Dr. S. Seshaga Jayakumar, an officer of G.D.O. Grade II of the Central Health Service, relinquished charge of the post of the Junior Medical Officer under Central Govt. Health Scheme, Madras on the afternoon of 2nd September, 1975 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer in Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 3rd September, 1975.

R. N. TEWARI  
Deputy Director Administration (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION  
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 4th October 1975

No. F. 4-6(95)/75-A.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Shri E. K. R. Nayar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection, at Bombay with effect from 6th September 1975 (Forenoon) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO  
Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

## PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun, the 9th October 1975

No. 4-7/75-Adm.—Shri B. K. Basu, Officiating Assistant Conservator of Forests, Andaman and Nicobar Administration (Forest Department) is hereby appointed Assistant Conservator of Forests on *ad hoc* basis in Preinvestment Survey of Forest Resources, Eastern Zone, Calcutta with effect from 8th September 1975 (F.N.), until further orders.

ROMESH CHANDRA  
Chief Coordinator

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER  
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 9th October 1975

No. 6/131/75-LTCP.—Shri Gurmit Singh, Asstt. Conservator of Forests, Himachal Pradesh Forest Department, who has been working as Logging Instructor in the Logging Training Centres Project at Cableways Centre, Kulu (H.P.) has been relieved of his duties with effect from the forenoon of 3rd September, 1975 and his services are replaced at the disposal of the Himachal Pradesh Forest Department with effect from the same date.

ROMESH CHANDRA  
Chief Executive Officer

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 6th September 1975

No. PA/81(28)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dhas Balachandra, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 16th September 1975

Ref. DPS/B-3/Adm/463C.—Director, Purchase and Stores appoints Shri L. H. Bagwe a permanent Storekeeper of the Directorate of Purchase and Stores to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for a period from July 21, 1975 (FN) to September 5, 1975 (AN) *vide* Shri N. John Johny, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 30th September 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri P. V. Ramesh Babu as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the forenoon of 30th September, 1975, until further orders.

S. RANGANATHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE  
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 19th September 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Subhash Chander Sehgal as Scientist/Engineer SB (Film Editor) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from August 29, 1975 for a period up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Gurbir Singh Garewal as Scientist/Engineer SB (Sound Recordist) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35J—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of the Indian Space Research Organisation with effect from July 29, 1975 for a period up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Lemuel Harry as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 680/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from July 28, 1975 for a period up to July 31, 1976.

Major R. C. SAMUEL (Retd)  
Administrative Officer-II

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 9th October 1975

No. E(1)04219.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Mookerjee, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st October 1975 and until further orders.

Shri N. Mookerjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. NAGASUBRAMANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

New Delhi-110003, the 9th October 1975

No. E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 15th September 1975 to 12th December 1975.

Shri T. M. Sambamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th September 1975

Fo. A. 32013/5/73-EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officers upto the 31st December 1975 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :

Sl. No.	Name	Station of posting
(1)	(2)	(3)
1.	Shri K. P. V. Menon	Mangalore
2.	Shri V. R. Vishwanathan	Bhopal
3.	Shri S. C. Joshi	Headquarters A. O. (AIS)
4.	Shri U. P. Dhingra	Headquarters T.O.(P)
5.	Shri M. P. Khosla	Udhampur
6.	Shri J. S. R. K. Sharma	Madras

(1)	(2)	(3)
7.	Shri K. S. Prasad	Mohanbari
8.	Shri N. D. Ghosh	Dum Dum
9.	Shri Ravi Tankha	Safdarjung
10.	Shri C. R. Rao	Rajkot
11.	Shri Kundan Lal	Aurangabad
12.	Shri J. K. Sardana	Srinagar
13.	Shri K. C. Misra	Santacruz
14.	Shri G. B. K. Nair	Santacruz
15.	Shri D. D. Sardana	Safdarjung
16.	Shri K. N. Venktachalliah	Santacruz
17.	Shri S. Dayal	Headquarters T.O.(AS)
18.	Shri S. C. Sekhri	Udaipur
19.	Shri M. P. Jain	Safdarjung
20.	Shri S. K. Jain	Dum Dum
21.	Shri D. Ramanujam	Safdarjung
22.	Shri A. T. Verghese	Kumbhirgram
23.	Shri K. V. S. Rao	Madras
24.	Shri N. P. Sharma	Safdarjung
25.	Shri S. K. Banorjee	Dum Dum
26.	Shri R. Kothandaraman	Tirupathi/Trichy.

The 1st October 1975

No. A.32013/8/74-EA.—Further to this Department Notifications of even number dated the 21st January 1975 and 5th May 1975 appointing Sarvashri S. S. Bevlil and B. G. Sindhi, Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer with effect from the 4th January 1975 and 28th April 1975 respectively, the President hereby grant notional promotion to the above officers to the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department on a regular basis with effect from the 4th November, 1973 and until further orders.

No. A. 32013/7/75-EA.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officers in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the dates noted against their names or till the posts held by them are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Station	Date
1.	Shri L. A. Lobo	Bombay Airport	16-8-75
2.	Shri R. D. Nair	Do.	12-9-75
3.	Shri Amir Chand	Delhi Airport	21-9-75
4.	Shri K. K. Saxena	Do.	19-9-75
5.	Shri A. M. Thomas	C. A. Tirupathi	9-9-75
6.	Shri M. M. Sharma	Delhi Airport	29-8-75

The 9th October 1975

No. A.32013/2/74-EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Ganapathy Iyer to the post of Senior Aerodrome Officer in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 in an officiating capacity with effect from the 26th September, 1975 and until further orders. Shri Iyer is posted at Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director of Administration

New Delhi-110022, the 8th October 1975

No. A-19012/5/72-E(H).—On attaining the age of superannuation, Shri M. C. Dikshit, officiating Deputy Director General of Civil Aviation, retired from Government service on the afternoon of the 30th September, 1975, while on deputation to the Government of Zambia as Director of Civil Aviation.

T. S. SRINIVASAN  
Assistant Director of Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-600034, the 1st September 1975

C. No. II/3/32/75-Estt.—The following Inspectors of Central Excise, Madras Collectorate have been appointed to officiate as Superintendents of Central Excise Class II until further orders and posted with effect from the dates noted against each to the places specified against their names :—

S. No.	Name	Place where posted as Superintendent Class II	Date of joining
(1)	(2)	(3)	(4)
	S/Shri		
1.	T. S. Saravanan	Madras-I Division	31-5-75 A.N.
2.	V. S. Varadarajan	Pullampatti MOR Erode Division	9-6-75
3.	M. Savarimuthu	Madras-II Division	31-5-75 AN
4.	V. Ramachandran	M.O.R. I Coimbatore-I Division	4-6-75
5.	M.A.R. Sheriff	Madras-IV Division	1-6-75
6.	R. Dharmaraj	Kan cheepuram MOR, Vellore Division	9-6-75 AN
7.	A. V. Arunachalam	Madras-IV Division	4-6-75
8.	E. A. Hutt	Madras-II Division	31-5-75 A.N.
9.	A. Wilfred Samiraj	Sulur MOR, Coimbatore-II Division	9-6-75
10.	C. D. De'Monte	Madras-II Division	31-5-75 A.N.
11.	P. Venkatarathinam Chetty	Madras-I Division	4-6-75
12.	M. Narasimha Rao	Pollachi Division	19-6-75
13.	S. Katchivenkataraman	Vaniyambodi MOR Vellore Division	5-6-75
14.	B. Sundaram Chetty	Coimbatore-I Division	9-6-75
15.	T. Krishnan	Kumbakonam MOR Pondicherry Division	11-6-75
16.	T. P. Narayanan	MOR IV Coimbatore-I Division	8-7-75
17.	T. R. Venkataraman	Madras-III Division	2-8-75 A.N.
18.	M. J. Abdul Khader	Erode Division	2-8-75

C. CHIDAMBARAM,  
Collector of Central Excise  
Madras

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 4th October 1975

No. A 19012/71/71-Adm.V.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission for appointment as Geophysicist (Junior) in the Geological Survey of India, Shri K. S. Muttu has been relieved of his duties as Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, with effect from the afternoon of 23rd August, 1975.

K. P. B. MENON,  
Under Secretary  
for Chairman, C.W. Commission

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 6th October 1975

No. 3-426/75-Estt.II.—Shri R. L. Mina officiating Accounts Officer in the Office of the Senior Deputy Accountant General Bombay is hereby appointed on deputation as Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—840—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in Central Ground Water Board w.e.f. 22nd September 1975 (F.N.) with his headquarters at Faridabad.

He will be on deputation for a period of one year in the first instance and his deputation will be regulated in terms of Ministry of Finance O.M. No. F-10(24)E-III/60 dated 4th May 1961 as amended from time to time.

D. PANDEY  
Superintending Engineer

## NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandur, the 26th September 1975

No. E/55/III/93-P. II(O)—The following Officers are confirmed in Class II Service as Assistant Mechanical Engineer with effect from the date noted against each.

Sl. No.	Name	Date from which confirmed.
1.	Shri H. W. Rozario	31-7-1973
2.	Shri S. N. Guha Neogy	31-7-1973

The 4th October 1975

1. PNO/AD/65/215/PIV—Shri A. C. Biswas, Inspector of Stores Accounts (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Divisional Accounts Officer w.e.f. 5th May, 1975.

2. E/283/30P(O)—Shri C. B. Deb, Chief Clerk Gr. I (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer w.e.f. 5th May, 1975.

3. E/283/III/42 Pt. II(O)—Shri M. K. Das, IPF (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Security Officer with effect from 16th May, 1975.

4. E/283/82/Pt. X(O)—Shri S. N. Chakraborty, Law Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Commercial Supdt. with effect from 20th May, 1975.

5. E/283/82/PX(O)—Shri A. Sarkar, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as PA to COPS with effect from 21st May, 1975.

6. E/283/III/30 PV(O)—Shri A. K. Karan, Hindi, Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Hindi Officer with effect from 28th May, 1975.

7. E/283/31 Pt. VIII(O)—Shri B. N. Chatterjee, SPI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 11th June, 1975.

8. E/283/31/Pt. VIII(O)—Shri G. P. Verma, Asstt. Personnel Officer (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on adhoc measure as Divisional Personnel Officer with effect from 11th June, 1975.

N. R. REDDY,  
General Manager

## DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Dayalbagh Food Products & Cold Storage Company  
Pvt. Limited, (In Liqn.)*

Kanpur, the 4th October 1975

No. 9935/2030-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dayalbagh Food Products & Cold Storage Company Pvt. Ltd. (In Liqn.), unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Dharam Kanta (Pvt.) Ltd. (In Liquidation)*

Kanpur, the 4th October 1975

No. 9936/1156-I.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dharam Kanta (Pvt.) Ltd. (In Liqn.), unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. C. BASU  
Registrar of Companies, U.P.  
Kanpur.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Epic Enterprises Private Limited*

Delhi, the 6th October 1975

No. 4708—14442.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Epic Enterprises Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

C. KAPOOR  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
The 'V' Agency Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 10760/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The 'V' Agency Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Hindustan Jute Dealers Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 19471/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hindustan Jute Dealers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Boseck & Boseck Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 22139/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Boseck & Boseck Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Ideal Fabrication Works Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 26554/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ideal Fabrication Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Dacca Picture Palace Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 5204/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dacca Picture Palace Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Friend & Co. (Agency) Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 12000/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Friend & Co. (Agency) Private Limited, has this day been struck off the and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
The Overseas Agencies (India) Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 13450/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of The Overseas Agencies (India) Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal

#### DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 13th August 1975

No. 9/7/74-DOMS.—On his transfer from the charge of the Commissioner of Income-tax, Patiala, Shri M. K. Dhar, Income-tax Officer (Class-I) assumed the charge of the office of the Assistant Director in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax). New Delhi on the afternoon of 12th August, 1975.

H. D. BAHL  
Director

#### OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 29th September 1975

No. F.48-Ad(AT)/75-P.II.—Shri Amar Nath Tewari, Assistant Prosecuting Officer in the Office of the Senior Superintendent of Police, Kanpur is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 16th September 1975 (Forenoon) in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 16th September, 1975 (Forenoon).

HARNAM SHANKAR  
President

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
40/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA

Poona-41104, the 3rd October 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Thana)/Feb'75/237/of 75-76.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. S. No. 24, Hissa No. 4, situated at Village Kopri (Thana)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
registering officer at Bombay on 11-2-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :- -  
16—306GI/75

(1) Shri Mohandas Tikandas Dembla,  
Suryodaya Nagar, Flat No. 10,  
Kopri Colony, Thana.

(Transferor)

(2) Tikam Co-operative Housing Society, Ltd.  
Flat No. 68, C Building,  
Prem Nagar Co-operative Housing Society Ltd.,  
Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of land or ground situate and  
being at Village Kopri, Taluka Thana, Registration Sub-Dist-  
rict, Thana bearing Survey No. 24, Hissa No. 4, and admea-  
suring about 11 Gunthas as per land records 7/12 equal to  
1331 sq. yds. or 1112.90 metres. Thana together with existing  
structure standing thereon at present and bounded as follows :  
On the West by bearing Survey No. 40 Gul No. 63  
On the East by bearing Survey No. 24 Hissa No. 2.  
On the North by bearing Survey No. 39 Gula No. 60 PT,  
and  
On the South by bearing Survey No. 24 Hissa No. 3 Gat  
No. 64  
(as per document for transfer registered in the office of the  
Sub Registrar, Bombay under No. 1473/dated 11-2-1975).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 3-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Ponnuru Venkata Subba Rao,  
S/o. Krishnaiah, Morrispetta, Tenali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nidadavole Pattabi Ramaiah,  
Sri Nidadavole Jaggaiah,  
Shri N. Narasimha Rao,  
Sri N. Satyanarayana Murthy,  
Sri Ch. Subba Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 244/J. Nos. (695 & 696)/GTR/74-75.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 861/30-60Cents with Rice & Dal Mill Vinukonda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vinukonda on 15-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 108 and 109 of 1975 of the SRO, Vinukonda.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-10-1975.

Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 240/J. Nos. 8 & 9/GTR/75-76.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingDoor No. 1-4-18/8/10 Ward No. VIII, Block No. X, Durga  
Prasad Street, Nazarpeta, Tennali(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Tennali on 30-4-75for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Inuguri Rajeswari, W/o Krishna Murthy,  
Sri Inuguri Krishna Murthy, Provisions Merchant,  
Athabira, P. Bargar Taluk, Sambalpur Dt. Orissa.  
(Transferor)
- (2) Sri Chunduru Suramka Narasimha Rao, represented  
by mother Smt. Ch. Sasireka Devi, Tennali.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein, as are defined in Chapter XXA  
of the 'Said Act', shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 998 & 999/  
1975 of Sub-Registrar, Tennali.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Late E. Ramakrishna Chowdary-Represented by his legal heir, (2) K. Ch. Satyam and M. Raja Rao.  
(Transferor)
- (2) Sri Chundru Laxmi Narasimha Rao, (2) Ch. Venkata Narasamma, and Sri Ch. Venkateswara Rao.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 241/J. Nos. 655, 656 & 195/WG.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
157/1 & 157/2, Rice Mill Velagalapalli Sivaru, Chintalapudi  
Taluk situated at Village Pragadavaram  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred under the Re-  
gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Chintalapudi on 15th February 1975  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the pro-  
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for/  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this Notice under  
sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act',  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 97, 98, 99  
of 1975 and 3290 of 1974, of SROs Chintalapudi and Eluru.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Rajapanntula Surya Rao etc. Payakaraopeta.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Varanasi Dalayya, Vizianagaram.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 242/VSP. 214/74-75.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-1-72 situated at Main Road, Viziamagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 15-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 268 of 1975 of SRO, Vizianagaram.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri R. S. S. Vasan, Shift Engineer, Caltex Oil Refinery, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 243/J. Nos. 222 & 223/VSP.—  
Whereas, I, B. V. Subba Rao,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

10-27-6 Opposite Circuit House, Waltair Uplands, Vizag-3  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at

Visakhapatnam on 28-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any Income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-

- (2) 1. Sri A. B. Krishna Rao, Retd. Dt. Registrar,  
Vizag.
2. Sri A. V. Subba Rao, S/o A. B. Krishna Rao,  
Vizag.
3. Sri A. Sesta Rama Rao S/o A. B. Krishna Rao,  
Vizag.
4. Shri A. K. Murthy Sastry S/o A. B. Krishna Rao,  
Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 696 & 697  
of 1975 of SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 3-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 14/Acq/AGRA/75-76/1530.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AGRA on 3-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pranpal Singh, and  
2. Sri Kuveddrupal Singh, sons of Sri Surajpal Singh, R/o Mathura Darwaja, Brindavan, Distt. Mathura.  
(Transferor)
- (2) Om Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Sarejpur, Agra, through its President Sri Satya Narain S/o Jagat Narain R/o Madia Katra, Agra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha 15 Biswa in Khata Numbari 16, situated at Sarejpur, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 49,500/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-9-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Harnam Kaur widow Major Harnam Singh  
R/o Jaman, Moh, Lalkurti Bazar, Meerut Cantt.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhan Pauthohar Biradari, Meerut Cantt Through  
Ch. Narendra Singh President,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 6/Acq./Mrt/75-76/1528.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable house property double storeyed situated at 90, Jaman Mohalla Lal Kurti, Meerut Cantt. transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-9-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Naseeh S/o Haji Idwa R/o Hapur  
Moh. Ganj Noor Bafan, Distt. Meerut.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 3/Acq/Hapur/75-76/1529.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 12-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—306GI/75

(2) 1. Shri Khazan Singh S/o Narain Singh.  
2. Kaleram S/o Narain Singh.  
3. Kanti Singh S/o Narain Singh.  
4. Gopal Singh S/o Narain Singh.  
5. Smt. Bhagwan Devi widow Sri Naubat Ram and  
6. Smt. Mango Devi widow Sri Badri Pd.  
R/o 524, Shivpuri, Hapur, Meerut.  
(Transferee)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Khata No. 416 measuring 2 Bighas 8 Bishwa and Khata No. 380 measuring 1 Bigha 13 Biswa and 11 Biswansi (hal portions) and 190 measuring 9 Bigha 15 Biswa (half portion) and 209 measuring 18 Bigha 10 Biswa (1/5 portion) Total 11 Bigha 3 Biswa 18 Biswansi 16 2/3 Taswansi land situated at Vill. Apaura, Pargana & Teh. Hapur Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 99,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kaypee Land and Finance Private Ltd.  
52, Rajpur Road, Dehradun through Its Managing  
Director & General Attorney, Sri S. P. Kochhar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamla Dhawan W/o Sri Banarasi Das  
Bhawan,  
21, Premपुर, Ghaziabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

(3) R. N. Thadani, Tenant.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 189/Acq/D. Dun/74-75/1529.—Whereas, I.  
F. J. Bahadur,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Dehradun on 4-2-75  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said act shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 1, Inder Road, Dehradun trans-  
ferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/-

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1975

Ref. No. 174/Acq/Mrt/75-76/1540.—Whereas, I. F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mukhtar S/o Mangat,  
2. Sri Bhagwan Sahai and  
3. Sri Jhabhar, both sons of Sri Dilip R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut. (Transferor)
- (2) 1. Shri Mahendra Kumar S/o Lala Salek Chand R/o Anandpuri, Meerut and  
2. Sri Pawan Kumar S/o Sri Pyate Lal R/o 56/4, Shivaji Path, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 1 and 2, measuring 380 4/9 sq. yds. situated at Devpuri, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 22,827/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,  
2. Bhagwan Sahai,  
3. Jhabbar, sons of Dalip, R/o Purwa Amba  
Prasad, Anandpuri, Meerut City.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1975

Ref. No. 172/Acq/Mrt/74-75/1539.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ram Gupta S/o Peetam Lal R/o Anandpuri, Meerut City.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land in plot No. 6, 7, 8, Measuring 615 5/9 Sq. yds. situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 36,932/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-9-1975  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 171/Acq/Mrt/74-75/1538.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,  
2. Bhagwan Sahai and  
3. Jhabhar, both sons of Dalip, R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut. (Transferor)
- (2) 1. Shri Pawan Kumar Jain s/o Pyare Lal Jain R/o 56/4, Shivaji Path, Meerut City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 561 2/3 sq. yds. in Plot No 17 Ta 20, situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 33,700/-

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-9-1975

Seal:

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 170/Acq/Mrt/75-76/1537.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per lot No. As per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,  
2. Bhagwan Sahai and  
3. Jhabhar, both sons of Dalip, R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut.  
(Transferor)

- (2) Sri Radhey Lal S/o Ratan Lal Jain R/o Phuta Kuan, Meerut City.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 12 Ta 14 measuring 651 sq. yds. situated at Kasba Meerut Devpuri transferred for an apparent consideration of Rs. 39,060/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25th September 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 168/Acq/Mrt/74-75/1536.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mukhtar S/o Mangat 2. Bhagwan Sahai, and 3. Jhabhar, both sons of Shri Dalip, R/o Anandpuri, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala W/o Om Prakash Oberai, R/o 294, Prempuri, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 10 and 77 measuring 434 sq. yds. situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 26,040/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-9-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Luthra S/o Dr. Hareshah, R/o Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th October 1975

Ref. No. 236/Acq/M.Nagar/74-75/1657.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 23-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Parmeshwari Devi W/o Ch. Bishambhar Singh, and 2. Smt. Raj Kumari W/o Raj Kumar R/o Duda-heri, P.O.-Khas, Pargana-Khatauli, Teh. Jansath, Dist. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. 185 alongwith four shops, situated at Civil Lines, Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 85,000/-.

F. J. BAHADUR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 15-10-75.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1975

Ref. No. 158/Acq/Haridwar/75-76/1658.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18--306GI/75

(1) Dr. Udai Ram Bhardwaj S/o Shri Bhola Shankar R/o Moti Lal Nehru Medical College, Allahabad, Auth. Rep. Shri Anil Kumar Bhardwaj S/o Udai Ram Bhardwaj, R/o Naughtingham, England.  
(Transferor)

(1) Shri Ravi Das Sadhu Sampraday Society, Punjab, Through Sant Sewa Das, Up Pradhan, Shishya Sant Sewa Das, Up Pradhan, Shishya Sant Purn Das R/o Kaletal Bhakta, Distt. Hoshiyarpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 3, area 3600 sq. ft. situated at Nirmala Chawani, Mayapur, Distt. Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-10-75

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1975

Ref. No. 157/Acq/Haridwar/75-76/1659.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Udai Ram Bhardwaj S/o Shri Bhola Shanker R/o Moti Lal Nehru Medical College, Allahabad, Auth. Rep. Shri Anil Kumar Bhardwaj S/o Udai Ram Bhardwaj R/o Naughtingham, England.  
(Transferor)
- (2) Ravi Das Sadhu Sampradai Society, Punjab, Through, Sant Sewa Das, Up-Pradhan, Shishya Sant Purn Das R/o Kaletal Bhakta, Distt. Hoshiyarpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 3900 sq. ft. situated at Nirmala Chawni, Mayapur, Distt. Haridwar transferred for an apparent consideration of Rs. 29,250/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-10-75.

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Lal S/o Shri Bhikkimal Jain R/o Shamli.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwan Das S/o Gangaram 2. Subhash Chand and 3. Hari Kishan, both sons of Shri Bhagwan Das Arora R/o Shamli.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th October 1975

Ref. No. 82/Acq/Kairana/75-76/1660.—Whereas, I,

F. J. Bahadur,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana, on 23-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property, double storeyed No. 335, 335/1, 335/2 and 335/3 situated at Shamli, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-10-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Todar Singh S/o Laxman Singh R/o Vill. Dah-tora, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1975

Ref. No. 189/Acq/AGRA/75-76/1661.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 8-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Amar Singh Varma, S/o Shri Bhurey Lal (2) Sunehari Lal (3) Bhagwati Prasad (4) Hari Kishan, all sons of Shri Amar Singh Varma, and (5) Kumari Vimla D/o Amarsingh Varma R/o Harjupura, Taj-ganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land comprised in Khata No. 159, measuring 14 Bigha, 12 Biswa and 5 Biswanci situated at Vill. Dahtora, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 1,46,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-10-75.

Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Sheela Dubey Widow Shri Manohar Lal R/o  
25/24, Karachi Khana, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1975

Ref. No. 94/Acq/Knp/75-76/1531.—Whereas, I,  
F. J. Bahadur,being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. As per schedule situated at As per schedule,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kanpur, on 8-5-75,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act  
to the following persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of some portion of double  
storeyed building and some portion in ruin condition compris-  
ed in property No. 25/24, Karachi Khana, Kanpur transferred  
for an apparent consideration of Rs. 1,20,000/-.F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-9-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd September 1975

Ref. No. 96/Acq/Knp/75-76/1532.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur, on 16-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Devi W/o Shri Damodar Tiwari R/o 128/G/45, Kidwai Nagar, Kanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Satya Prakash Pandey S/o Shri Ramdin Sharma R/o 128/G/45, Kidwai Nagar, Kanpur.  
(Transferee)
- (3) Shmt. Sushila Devi.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 128/G/45, constructed on plot No. 43, Block 'G', Kidwai Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 44,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-9-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rahul Sondhi S/o Shri Gautam Dev Sondhi  
R/o Kothi No. 601, Khalanr Near Sujdu Chungi,  
Muzaffar Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sri Dharmveer Chabra (2) Sri Harish Chandra  
Chabra Both sons of Sri Hansraj Chabra R/o H.  
No. 220, Aryapuri, Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 23rd September 1975

Ref. No. 231/Acq/M.Nagar/74-75/1533.—Whereas, I,  
F. J. Bahadur,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
No. As per schedule situated at As per schedule,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Muzaffarnagar on 3-5-75,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the 'said Act', shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been of  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 500 sq.  
yds. situated at G.T. Road, Muzaffarnagar transferred for an  
apparent consideration of Rs. 37,500/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 23-9-75.

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Rahul Sondhi, S/o Shri Gautam Dev Sondhi  
R/o Kothi No. 601, Khalapar, Near Sujdu Chungi,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kailash Chandra, and 2. Shri Subhas Chandra  
Ss/o Lala Hansraj Chabra R/o House No. 220,  
Aryapuri, Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 500 sq.  
yds, situated at G.T. Road, Muzaffarnagar transferred for an  
apparent consideration of Rs. 37,500/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 23-9-75.

Seal :

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

## FORM ITNS

(1) Shri Naresh Kumar S/o Lala Salek Chand Singhal, and Representative of the property of Smt. Kastoori Devi W/o Salek Chand R/o 13, Ramteram Road, Ghaziabad, Distt. Meerut,

(Transferor)

(2) (1) Shri Kashmiri Lal and (2) Shri Om Prakash, sons of Lala Karam Chand Ahuja R/o Gandhi Nagar, Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd September 1975

Ref. No. 52/Acq/GBD/75-76/1535.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad, on 6-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—306CI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of freehold plot No. 36, measuring 1223 sq. yds. situated at Residential Colony Salek Chand (Narendra Nagar) Ghaziabad, Distt. Meerut transfer red for an apparent consideration of Rs. 61,150/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-9-75,

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th October 1975

Ref. No. Ac-31/R-II/Cal-75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 353, 355, 356, 357 & 361/476, situated at Mouza Rampur, P.S. Maheshtolla, Dt. 24-Prags. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Manoranjan Banik,  
20, Kalikrishna Tagore St., Calcutta.
- (2) Arun Kanti Dhar, Santoshpur Govt. Colony,  
P. S. Maheshtolla, 24-Prags.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2-Bighas, 7--kottahs, 4-chittacks, 16-sq. ft. in Dag Nos. 353, 355, 356, 357 & 361/476, J.L. No. 10, Kh. No. 176, R. S. No. 352, Thana Maheshtolla, Mouza Rampur, 24-Prags.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. Ac-30/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

42W & 42V, situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 20-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Banwarilal Goenka of 37/1, Maharshi Devendra Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shri Narayan Prasad Goenka, 45, Sir Hariram Goenka St., Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two plots of land situated at 42W & 42V, Raja Santosh Rd., Calcutta measuring 2 kottahs, 4 chattaks & 6 sq. ft. and 2 kottahs, 4 chattaks & 6 sq. ft. totalling 4 kottahs, 8 chattaks & 12 sq. ft.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 6-10-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Krishna Devi Goenka,  
37/1, Maharshi Debendra Rd., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan Prasad Goenka,  
45, Sir Hariram Goenka St., Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. Ac-29/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

42X, 42Y, 42P & 42N, situated at Raja Santosh Rd., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four plots of land situated at 42X, 42Y, 42P & 42N, Raja Santosh Rd., Calcutta measuring 1-kt, 15-chs, 1-kt, 15-chs, 1-kt 8-chs, & 1-kt, 8-chs, totalling 6-kts, 14-chs.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 6-10-1975

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. 293/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 158 A, situated at Picnic Garden Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ashoke Kumar Ghosh & Abhik Kumar Ghosh  
65/2, Hindustan Park, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) M/s. Wellmet Footwear Corpn. (P) Ltd.  
219, Rashbehari Avenue, Calcutta.  
(Transferee)
- (3) M/s. A. K. G. Industries (In portion)  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land and tank land measuring 8 bighas more or less together with all the buildings, structures, sheds, workshop and boundry walls erected thereon at premises No. 158 A, Picnic Garden Road, Calcutta as per deed No. I-713 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 6th October 1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1975

Ref. No. TR-917/C-327/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28, situated at Strand Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 18-2-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Salehbhoy Essuffally,  
2. Fakhruddin Mulla Salehbhoy,  
3. Zakiuddin Mullah Salehbhoy. (Transferor)
- (2) 1. Kurban Hussain Hussunally,  
2. Mohammad Hussain Mulla Kurban Hussain,  
3. Hasani Mulla Kurban Hussain. (Transferee)
- (3) 1. Eastern machinery Corporation,  
2. F. Hussain & Brothers,  
3. Inland Hardware & Tools,  
4. A. V. Joshi & Sons,  
5. Mehra Trading Co.,  
6. Sunil K. Mookerjee,  
7. Indian Asbestos & Insulation Co.,  
8. Engineering Stores & Agency,  
9. Mohammad Farooque,  
10. Bannerjee & Bros.,  
11. Jibonlal & Co.,  
12. N. N. Mookerjee,  
13. Voza Brothers,  
14. Hindustan Trading Co.,  
15. Dawoodihai Salehbhai,  
16. Steel Rolling Mills of Bengal & Co.,  
17. Oversees Stores & Agency,  
18. Kettlewell Bullen Employees Coop. Credit Society Ltd.,  
19. Chandrakant Hiralal,  
20. Saran Trading Co.,  
21. Engineering Stores & Supply Co.,  
22. Chandra Mohan,  
23. Norfolk Asea,  
24. Oil Hydraulics.

- (4) Shri Mohsinbhoy Yusufalli Masalia.  
[Person in occupation of the property]  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The vendors' share of three storied brick built dwelling house together with land containing 8 cotahs 6 chittacks 22 sq. ft. at 28 Strand Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 10-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Hashi Rani Ghose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Ashraff.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-66/C-60/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 11-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of vacant land measuring about 4 cottahs at 24/2 Shariff Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 9-10-75

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1975

Ref. No. TR-8/C-8/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 2-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sm. Hashi Rani Ghosh.  
(Transferor)
- (3) Mohammad Ashraf.  
(Transferee)
- (3) Joy Krishna Gour.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of vacant land measuring 2K, 3 Chittacks, 5 sq. ft. at 24/2 Shariff Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 9-10-75  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri. Mansukhlal Manilal Vasa,  
Plot No. 12, Ruikar Colony,  
Kolhapur-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri. Vadilal Lakhmichand Shah,  
2113/K, Nimbalkar Colony,  
Poona Bangalore Road, Kolhapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Poona-411004, the 8th October 1975

Ref. No. C.A. 5/Kolhapur/March '75/244/75-76.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30, C.T.S. No. 2100K-78, E Ward, Ruikar colony  
situated at Kolhapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kolhapur on 20-3-75

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely:—

20—306G1/75

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 30 C.T.S. No. 2100 K-78  
E Ward, Ruikar Colony, Kolhapur  
Ground floor constructed area 1590 sq. ft.  
First floor constructed area 800 sq. ft.  
(property as mentioned in the sale deed registered in  
the office of the Sub Registrar, Kolhapur under No. 814  
dt. 20-3-75).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 8th October 1975

Ref. No. C.A. 5/Kolhapur/February '75/243/75-76.—  
Whereas, I. H. S. Aulakh,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Block No. 149, Shahu Market, situated at Kolhapur  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registra-  
tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Kolhapur on 17-2-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income raising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sha Manilal Deosi &amp; Co., Kolhapur.

Partners:

1. Manilal Deosi Vasa,
  2. Mansukhlal Manilal Vasa,
  3. Satishkumar Manilal Vasa,
  4. Smt. Joytsna Javahlral Vasa,
- all at Ward E, Block No. 29, Kolhapur.  
(Transferor)

(2) Shri Deogonda Ramagonda Patil,  
Ward E, Shahu Market, Block No. 136, Kolhapur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons whichever period  
expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property :

Block No. 149 with structures and temporary shed  
At Shahu Market Yard, Kolhapur.  
Plot Area : 2550 sq. ft.  
(property as mentioned in the sale deed registered  
in the office of the Sub Registrar, Kolhapur under  
Reg. No. 441 dated 17-2-75.)

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. CA.5/February'75/Haveli-II (Poona) /239.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under Section 269B of the  
being the competent authority under Section 269B of the  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.  
Plot No. 6B-7 C.T.S. No. 14  
situated at Bund Garden, Poona  
(and more fully described in the Schedule annexed here-  
to), has been transferred as per deed registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Haveli-II (Poona) on 14-2-75  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen percent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the Parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said  
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
following persons, namely:—

- (1) The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,  
Jehangir Wadia Bldg.,  
51, M.G. Road, Bombay-1.  
2. Hormusjee Bomanji Birdie, Bombay.  
(Transferor)  
(2) Ms A. J. Khatri & Sons,  
628 Khatri House,  
13th Road, Khar,  
Bombay-52.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the 'said Act', shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land Sub-Divided plot No. 6B-7 C.T.S. No. 14  
at Bund Garden, Poona.  
formed on the sub-division of the larger land  
bearing S. No. 85, plot No. 1 in Village Mali,  
Tal. Haveli, Dist. Poona.  
Area : 1031.33 sq. mtrs.  
(property as mentioned in the Registered deed No. 305  
of the Registering Authority Haveli II (Poona) in  
Feb. 75).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/242/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sub-divided plot No. 4, bearing C.T.S. No. 14 situated at Bund Garden, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 14-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,  
Jehangir Wadia Bldg.,  
51 M.G. Road, Bombay-1.  
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay. (Transferor)
- (2) M/s. A. J. Katri & Sons,  
628, Khatri House,  
Khar Pali Road, Khar,  
Bombay-52. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land —Sub-divided Plot No. 4 bearing C.T.S. No. 14, at Bund Garden, Poona,  
formed on the sub-division of land bearing Survey No. 85, plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona.  
Area : 507.51 sq. mts.  
(property as mentioned in the Registered deed No. 304 of February, 75 of the Registering authority Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of,  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/240/75-76.—Whereas, I. H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 2, C.T.S. No. 14, situated at Bund Garden, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 14-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,  
Jehangir Wadia Bldg.,  
51 M.G. Road, Bombay-1.  
(Transferor)
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay.
- (2) M/s. A. J. Khatri & Sons,  
628, Khatri House,  
Khar Pali Road, Khar,  
Bombay-52.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land Plot No. 2 bearing C.T.S.  
No. 14 at Bund Garden, Poona,

formed on the sub-division of land bearing survey No. 85,  
plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona.

Area : 508.80 Sq. mtrs.

(property as mentioned in the Registered deed No. 302 of  
February, 75 of the Registering authority Haveli-II,  
Poona).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,  
Jehangir Wadia Bldg.,  
51 M.G. Road, Bombay-1.  
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/241/  
75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Sub-divided Plot No. 3, C.T.S. No. 14,  
situated at Bund Garden, Poona  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at  
Haveli-II, Poona on 14-2-1975  
for an appa-  
rent consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'Said Act,' in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said  
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period  
expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold land at Sub-divided Plot No. 3, C.T.S. No. 14,  
at Bund Garden, Poona  
formed on the sub-division of land bearing Survey No. 85,  
plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona.  
Area : 513.89 sq. mtrs.  
(property as mentioned in the Registered deed No. 303 of  
Feb. 75 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Dinkar Sadashiv Nagarkar,  
2. Smt. Mandakinibai Dinkar Nagarkar,  
3. Shri Bhalchandra Dinkar Nagarkar,  
all at Kanhoor Pathar, Tal. Parner,  
Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 29th September 1975

Ref. No. C.A. 5/June '75/Ahmednagar/235/75-76.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 297/2, 297/4A, 297/6B-3, 297/5  
situated at Mouje, Nalegaon (Ahmednagar)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmednagar on 7-6-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/  
or  
(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (2) Ahmednagar Zilla Maratha Vidya Prasarak Samaj,  
Ahmednagar,  
on behalf of it, Shri Hanamtrao Krishnaji Kale,  
Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires  
later;  
(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Jirayat and Bagayat land at Mouje Nalegaon, Dist. Ahmednagar.			
Survey No.	Area Acre	Guntha	
297/2	0	—	28
297/4A	2	—	32
New S. No. 297/6/B-3 (Old S. No. 297/6A-1)	0	—	38
297/5--1/2 portion	0	—	05
(property as mentioned in the Regd. deed No. 613 of June, 75 of the Registering authority, Ahmednagar).			

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Poona.

Date : 29-9-1975

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 3rd October 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Thana)|March '75/238 of 75-76—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 331 & 231, Hissa No. 2,  
situated at Panchpakhadi, Dist. Thana  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
S. R. Bombay on 5-3-1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated is the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the  
Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the Said Act to the  
following persons, namely:—

- (1) 1. Jivanlata Purshottamdas Kedia
2. Vishwanath P. Kedia
4. Shantikumar Kedia.
3. Jagdishprasad Purshottam Kedia
5. Rajkumar P. Kedia
6. Bhagirathi P. Kedia
7. Dineshkumar P. Kedia
8. Vimaladevi Balkrishna Palan
9. Niranjandevi Harikishan Kanodia
10. Bhanumati Gopikishan Makharia
11. Sarojkumar Shantiprasad Kedia.
12. Bharti S. Ruia
13. Madhukumari Jagdishprasad Kedia  
by her father & natural guardian Jagdishprasad  
Kedia,  
all at 252, Walkeshwar Road, Bombay-6.  
(Transferor)

- (2) Nitin Casting Private Ltd.,  
21, Ropewalk Street,  
Fort, Bombay.

D

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

All those several pieces of land hereditaments and pre-  
mises situate at Panch-Pakhadi, within the Municipal Limits  
of Thana and bearing the following particulars.

Survey No.	Hissa No.	Acre	Gunthas
331	0	3	2
231	2	0	1.1/2

admeasuring in the aggregate 14943 sq. yds.

(as per documents for transfer registered in the office of the  
sub-Registrar, Bombay under No. 347 dated 15-3-75.)

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BIHAR

CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 10th October 1975

Ref. No. III-108/Acq/75-76/1261.—Whereas, J. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 367, W. No. 9

situated at Govind Mitra Road, Patna

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-2-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—306GI/75

- (1) 1. Smt. Protiva Bala Mitra w/o Pasupati Nath Mitra.
  2. Paresh Nath Mitra, 3. Soumen Mitra,
  4. Samar Kumar Mitra,
  - all sons of Late Pashupati Nath Mitra.
  5. SM. Anuka Mitra and SM. Gopa Mitra
  - both daughter of Late Pashupati Nath Mitra, all residing at 26 Mohan Began Lane, Calcutta-4.
  6. Smt. Ashoka Ghosh wife of Somenath Ghosh and daughter of late Pashupatinath Mitra residing at 8 Radhanath Mullick Lane, Calcutta-12 and
  7. Smt. Manika Ghosh wife of Samir Prasad Ghosh and daughter of Late Pashupati Nath Mitra and at present residing at 103/E Bidhan Sarani, Calcutta-4.
- (Transferor)
- (2) Jamnti Devi W/o Sri Badri Narain Prasad Choudary, Mahalla Makharua Kuan,
  - P.S. Pirbahore, Patna.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3 katha with two storeyed house part of H. No. 367, Cr. No. 23 W. No. 9 at Govind Mitra Road, Patna which is fully described in deed dated 10-2-75.

J. NATH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bihar,

Patna

Date: 10-10-75

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 10th October 1975

Ref. No. III-109/Acq/75-76/1262.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 367, W. No. 23, situated at Govind Mitra Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Protiva Bala Mitra w/o Pasupati Nath Mitra  
Mitra  
2. Paresh Nath Mitra  
3. Soumen Mitra  
4. Samar Kumar Mitra  
all sons of late Pasupati Nath Mitra  
5. Smt. Anuka Mitra and Smt. Gopa Mitra, both daughter of late Pashupati Nath Mitra all residing at 26 Mohan Bagan Lane Calcutta.  
6. Smt. Ashoka Ghosh wife of Somnath Ghosh and daughter of late Pashupati Nath Mitra residing at Radhanath Mullick Lane Calcutta-12 and  
7. Smt. Manika Ghosh wife of Saroj Prasad Ghosh and daughter of late Pashupati Nath Mitra and at present residing at 103/E Bidhan Sarani, Calcutta-4.

(Transferor)

- (2) Shrimati Kamla Devi w/o Sri Jai Narain Prasad Choudhary, Mahalla—Makbaria Kuan, P. S. Pirbahore, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 2 Katha 6 Chittack with one single storeyed house, bearing H. No. 367, Cr. No. 23, W. No. 9 at Govind Mitra Road, Patna, which is fully described in deed dated 10th February 1975.

J. NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 10-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 8th October 1975

Ref. No. III-107/Acq/75-76/1248.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 384, Khata No. 348 situated at Tari Arrah Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhojpur on 21-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mangheshwar Prasad Singh, Sri Birendra Kumar Singh, Sri Narendra Kumar Singh son's/o Babu Durg Vijay Prasad Singh, Smt. Beyaso Kuar w/o Babu Durg Vijay Prasad Singh at Mirganj, Arrah Town, Dt. Bhojpur.

(Transferor)

(2) Shri Jwala Dutta Jalan s/o Sri Banarasi Dutta Jalan, At Tari, Arrah Town, Dt. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 2 Katha 8 Dhur 10 Dhurki with house at Tari, Arrah Town, bearing Tanzi No. 30, P.S. No. 237, Khata No. 348, Plot No. 384, H. No. 254 (old) and 283 (new), Cr. No. 2, W. No. 5 in the district of Bhojpur.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ayyammal, W/o Arumugam Pillai, Shri Parasuraman, S/o Chithambalam Pillai, Govindapillai Street, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th October 1975

Ref. No. F. XVI/1/140/74-75.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New Survey No. 102 and 104 situated at Ward No. 4, Block II, F. Division Dadhubaikuttai, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri S. P. Marimuthu Mudaliar,  
S/o Pachiappa Mudaliar,  
Arunachala Achari St., Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at new survey Nos. 102 and 104, J Ward, Block 2, Ward No. 4, F Division, Dadubaikuttai, Salem Town covered by Document No. 677/75 and measuring as under:  
Western side—South to North 106'  
Eastern side—South to North 50' and 46' on the Eastern side.  
Northern side—South to North 54½'.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 9-10-1975

Seal:



FORM ITNS—

(1) Smt. Ayyammal, W/o Arumugam Pillai,  
Shri Parasuraman, S/o Chithambalam Pillai,  
Govinda Pillai St., Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Marimuthu Mudaliar,  
S/o Pachiappa Mudaliar,  
Arunachala Achari Street, Salem-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th October 1975

Ref. No. F. XVI/1/141/74-75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 102 & 104 situated at Dadubaikuttai Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on February 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at new Survey Nos. 102 & 104, J Ward, Block 2, F Division, Dadubaikuttai, Salem Town covered by Document No. 678/75 and measuring as under :

Western side—South to North—106'

Eastern side—North 50' and East 46'; and

North to South 541'

Northern side—East to West 62'

Southern side—21'

G. RAMANATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. M. R. Jambunathan,  
171, South Masi St., Madurai-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-1  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6(2) M/s. Plastometal represented by its  
Managing Partner Jethalal K. Sayani,  
16, Luckmudoss Street,  
Madras-3.

(Transferee)

\*(3) (1) The Sarvodaya Surgicals,  
(2) M/s. Sampath Ceramics (P) Ltd.,  
(3) M/s. Glass Corporation.  
(Person in occupation of the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

Madras-6, the 10th October 1975

Ref. No. F. IX/5/56/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 118 & 119 situated at Nyniappa Naicken St., Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building measuring 1642 sq. ft. in R. S. No. 9149, Door Nos. 118 & 119, Nyniappa Naick Street, Madras-3. (Doc. No. 145/75).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. No. 2389/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 936-F, situated at New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 487/75) on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. Jeyadev, S/o Shri K. Thandavam Chettiar acting through his attorney Shri T. Sathidev, No. 5, III Main Road, Kasthuribai Nagar, Adayar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. R. Thamayanthi; W/o Shri V. Rangasami, 7-A, Cooperative Colony, Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot measuring 25 cents and bearing New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore and T. S. No. 936-F (with rights of joint ownership in the private passage and with rights of free ingress to and ingress from the Race Course Road to the scheduled property).

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2389/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 936-B, situated at New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Document No. 488/75) on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. Sathidev, S/o Shri K. Thandavam Chettiar, No. 5, III Main Road, Kasthuribai Nagar, Adayar, Madras-20.  
(Transferor)
- (1) 1. Shri D. Ramaswami, S/o Shri Doraiswami Gounder, Mettupalayam, Via, Vellakoil, Dharapuram Taluk.
2. Smt. R. Visalakshi, W/o Shri D. Ramaswami, Mettupalayam, Via, Vellakoil, Dharapuram Taluk.
3. Minor Venkatesa Sudarsan, S/o Shri Ramaswami Gounder by his guardian grandfather, Shri M. Jagadisa Gounder, Advocate, Erode.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land (with building measuring 55.15 cents and bearing T. S. No. 936-B and New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore (with rights of free access through the private passage located on the eastern side).

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri M. Senniappan; 2. Raja alias Murugesan (Minor) and 3. Subbaroyan alias Rajesh (Minors represented by guardian Shri M. Senniappa).  
No. 185, Brough Road, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

- (2) 1. Shri B. Anandhan and 2. Mohan (Minor)  
(Minor represented by mother & guardian Saraswathi Balu)  
No. 126, Thirunagar Colony, Erode.

(Transferee)

Madras-6, the 16th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F. 2397/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at Door Nos. 247, 247-A, 248, 249 and 250, Brough Road, Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Document No. 517/75) on 13th February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

22—306GI/75

## THE SCHEDULE

Half share in the land and building bearing Door Nos. 247, 247-A, 248, 249 and 250 Brough Road, Erode.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-10-1975

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1; 5/2-A; 5/3, 4/2, 18/1 & 15 situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 238/75) on 24-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamallan; Smt. H. M. Babiammal; Shri H. M. Bojan, Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj, Upper Kundah village.  
(Transferor)

(2) Shri Nanjan, S/o Shri J. Nandhi Gounder, Keekavvatti, Nanjazzhadu village.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6-84½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2; 3/3; 3/4; 3/5; 5/1; 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1 and 15 in Jagathala village.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2-A; 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 239/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamallan; Smt. H. M. Babiammal, Shri H. M. Bojan; Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj, Upper Kundah, Upper Kundah village.  
(Transferor)

(2) Sarvashri Chandran, Krishnan, Narendran, S/o Shri N. Iyer Madhan; Keezkavvatti, Nanjazzhadu village.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7-44½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. 2414/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1; 5/2-A; 5/3, 4/2, 18/1 and 15 situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 240/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamallan; Smt. H. M. Babiammal; Shri H. M. Bojan; Shri H. M. Chandran; Shri H. M. Palraj and Shri H. M. Thevan; Upper Kundah village.

(Transferor)

(2) Shri N. Iyer Madhan; S/o Shri J. Nandhi Gowder, Keezkavvatti, Nanazhadu Village.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 6.84½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1 and 15 in Jagathala village.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, Shri G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5; 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at

Coonoor (Document No. 241/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri H. Madhan, Shri H. Johi, Shri H. Sennamallan, Smt. H. M. Babiammal, Shri H. M. Bojan, Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj, Upper Kundha village.

(Transferor)

(2) Sarvashri Kannan, Dharuman; Balakrishnan and Sevanan; S/o Shri N. Nanjan, Keezkavvatti, Nanjathadu village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 7-44½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 16-10-1975

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 137/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 22 in M. C. No. 5-9-29/31 Second Floor situated at Basheerbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : —

(1) M/s. Anand Building Corporation, represented by his partner Shri Anil Kumar, H. No. 53 at Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur Marwah, W/o Mohinder Singh Marwah, Flat No. 22 Bahrumal Mansion, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Flat No. 22 in M. C. No. 5-9-29/31 Second Floor in Bherumal Mansion on plot No. 5 situated at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-10-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 146/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot No. 1-6-3-661 situated at Somajiguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 28-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Velluri Kamalamma, W/o Velluru Kishena Naidu, R/o Muddumudi Vollg. Nellore Dist. by G.P.A. Srt. T. Logiah Naidu, S/o Narsiah, Naidu R/o Banjara Hills, Hyderabad.  
2. P. V. Nara Simarao, S/o Ramiah, Dokkipara Villg. Krishna Dist. 3. R. Butchamma W/o R. Sreeramulu Naidu, R/o Moud. 67 Rept. by their GPA. Holder, 4. Laxminarsajah S/o Venkaiah, R/o Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shah Sons. Pvt. Ltd. H. No. 5-3-335 at Rastrapati Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that plot of land admeasuring 2000 Sq yds. equant to 1339 sq. mets. in S. No. 35 bearing M. No. F-6/3/661 at Somajiguda, Hyderabad.

North : M/s Shah Farm, & construction equipment.

South : C. C. Road.

East : by Neighbours compound wall.

West : Shah Auto Engineer, Co. Pt. Ltd.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Abdul Salam Bandagi Prop. United Traders  
Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(2) Dr. Mrs. Mahmooda Begum, 2. Dr. Izbal Moin,  
Civil Asstt. Surgeons, H. Q. Hospital Karcemnagar,  
Post

(Transferee)

\*(3) T. Laxmiah, 2. T. Narasinga Rao, 3. D. Laxman  
Rao, 3 persons are the tenants of the property.  
(Persons in occupation of the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 140/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-1-361/1 situated at Sultan Pura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on 15-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 22-1-361/1 at Sultanpura, Hyderabad.  
bounded by as under :

North : House and Garden of late Rafiuddin,  
South : Road, 20' wide.  
East : Open land of Sri Ubaidulla  
West : Cement Road 30' wide.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Şal :

FORM ITNS. -----

(1) Sri Sach Dev, S/o Lalji Sachdev, H. No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Venkat Narayanreddy, S/o C. Chandraredy, and others, R/o Yamjal Village, Hyderabad Dist.

(Transferees)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,  
1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 134/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 16-9-683 &amp; 684 situated at Old Malakpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on 14-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—306 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. L. Sachdev, S/o Lalji, H. No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. T. Arundhathi, W/o T. Krishnareddy, and 2,  
C. Vijayakumari, D/o C. Narayanreddy, R/o  
Devarayamjal Village, Medchal Tq. Hyderabad Dist.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 133/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. Portion of No. 16-9-683 and 684 situated at Old Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on 14-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of the house M. No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC No. 131/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-1-27 situated at Hindupur, Ananthapur Dist.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindupur on 16-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuncham Radhakrishnaiah, H. No. 18-1-166 at Market Feeder Road, Hindupur, Ananthapur Dist.  
(Transferor)

(2) Sri B. Chandra Gupta, H. No. 16-6-16 at Nut Bazar, Hindupur, Ananthapur Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 16-1-27 at Hindupur, Ananthapur Dist.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1975.

Seal .

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 143/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-1111/3 situated at Kingh Koti Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur, S/o Late Hakeem Narayandas, H. No. 3-6-20 at Himayath-nagar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Rasiklal Kapadia, 450 A Class Agapura, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion No. 3 of H. No. 5-9-1111 situated at King Koti Road, Hyderabad comprised of 226 sq. yds. bounded by :

North : Portion 4 of premises 5-9-1111  
South : Public C. C. from LIC quarters to King Kothi,  
East : Portion No. 2 of premises No. 5-9-1111  
West : Neighbours property.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sri V. Surender Kumar, Rai Bahadur, H. No. 3-6-20  
at Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Omar Ali Khan, H. No. 5-9-1111 at King Koti  
Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC No. 144/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 5-9-1111 Portion of 7, 8 King Koti Road, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Property : Portion 7 and 8 of H. No. 5-9-1111 at King  
Koti Road, Hyderabad comprising area 374 sq. yds. bounded  
by :

East : C. C. Road.

West : Neighbours property.

North : Portion No. 10 of H. No. 5-9-1111

South : Portion No. 5, 6 of H. No. 5-9-1111.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 13-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur H. No. 3-6-20 at Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Subash, 2. B. Murali Mohan, H. No. 23-5-1080 at Gowlipura Market, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC, No. 145/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Portion 1 of No. 5-9-1111 situated at Kingh Koti Road,  
Hyderabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 24-2-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of the section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of the notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : portion No. 1 of H. No. 5-9-1111 at King Koti  
Road, Hyderabad comprising of 241 sq. yds. of land bounded  
by :

East : King Kothi Main Road

West : Portion No. 2 of H. No. 5-9-1111

South : Church Road (All saints School)

North : Portion No. 5 of H. No. 5-9-1111 Kingh Koti  
Road.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur H. No. 3-6-  
20, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. V. Krishna Rao, presently residing at U.K.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 13th October 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion No. 5 of H. No. 5-9-1111 at Kingh Koti  
Road, Hyderabad comprising of 209 sq. yds. bounded by :

East : By Road.

West : By Portion No. 4 and 5 of H. No. 5-9-1111.

South : by portion of No. 1

North : by portion No. 7

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer, and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act,  
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur, H. No. 3-6-20 at Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Kotheraju Radhakrishna. S/o Sri Satyanarayana, H. No. 5-9-1117 at King Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 141/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion 2 of 5-9-1111 situated at King Koti Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad, on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion No. 2 of H. No. 5-9-1111 at King Koti Road, Hyderabad, bounded by :

East : Portion No. 1 of H. No. 5-9-1111

West : Portion of 3 of H. No. 5-9-1111

South : Road from LIC quarters to Motor Khana,

North : Neighbours.

Total area of plot 233 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. 147/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-2-5 situated at forth floor Ponam Apartment Chirag Ali Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—306GI/75

(1) Shrimati Pushpa Latha Gupta Partner in M/s Associated Builders and Real Estate Agents C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, Abids Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nagina Faheem Through CPA Smt. Rasheed Fatima at Rasheed Villa, H. No. 5-9-209/4 Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that the undivided 1-9376 share or portion in the piece and parcel of land bearing No. 3-8-512 to 517-C situate lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad described in schedule I in the document No. 792/75 regd. of at Hyderabad J.S.R. Office together with the entire proprietary rights in the premises bearing Flat No. A-2, 7 including terrace but excluding water tank on the forth floor admeasuring 1085 sq. ft in the building known as "Poonam Apartment" constructed on the said plot admeasuring 3000 sq.yds. at C. A. Lane, Hyderabad.

*Bounded on the*

North : Estate Road.

South : Flat No. 8 stair case &amp; Common passage.

East : Estate Lane.

West : Estate Road.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 138/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 23 in M. No. 5-9-29/32 situated at Second floor Behrimal Mansion Basheerbagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Anand Building Corporation, represented by partner Sri Anil Kumar, H. No. 53 at Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamal Sundari Puri, W/o K. S. Puri, Flat No. 23 at Behrimal Mansion, at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Flat No. 23 in M. C. No. 5-9-29/32 second floor, Behrimal Mansion in plot No. 5 situated at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 135/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/90 to 95 situated at Kallur, Tq. Ananthapur, Dist. (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 6-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Lingarkar Ambaji Rao, S/o Nagoji Rao, R/o Pamidi, Gooty, Tq. Ananthapur-Dist. 2. Lingarkar Chinnaji Rao R/o Pamidi Gooty Tq. Ananthapur Dist. (Transferor)
- (2) 1. Shri Elakanty; China Venkata Swamy; 2. Elakanty Nagabhushanam, 3. Elakanty Subrahmanyam, R/o Bandamedapally Village, Chakraipet, Majara, Ananthapur Tq. Ananthapur Dist. 4. Sri Lakkuru Laxminarayana R/o Pamidi Gooty, Tq. Ananthapur, Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Factory Building Godowns and other constructions in D. No. 5/90, 91, 92; 93; 94; 95; in Kallur Tq. Ananthapur. Dist.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 136/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 in M. No. 5-9-29/23-A situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Anand Building Corporation, Secunderabad, Represented by partner Sri Anil Kumar, H. No. 53 at Penderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Master Narinder Pal Singh Marwah, minor under guardianship of Sri S. Mohinder Singh Marwah at Bahrumal Mansion, Basheerbagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Flat No. 2 in M. C. No. 5-9-29/23-A ground floor, Bherumal Mansion on plot No. 5 situated at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-10-1975

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1975

Ref. No. RAC. No. 139/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of No. 5-4-92/1 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 14-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/Sri Sultanuddin Babu Khan, 2. Bashirudin Babu Khan, 3. Smt. Farida Banu, 4. Smt. Turab Babu; 5. Smt. Bader Banu; 6. Smt. Sayeeda Banu; 7. Smt. Jameela Banu; 8. Smt. Dilawar Banu; 9. Smt. Nusrath Banu; 10. Smt. Shahazadi Begum. S. No. 1 to 10 are represented by their power of Attorney/Agent, Sri Ghaisuddin Babu Khan, S/o late Khan Bahadur Abdul Karim Babu Khan R/o 5-4-86 to 92 M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Vendees : Sri Tilak Raj Agarwal, S/o Dhan Singh Rai Agarwal, R/o House No. 1 of Street of No. 2 Umanagar, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that portion of premises bearing M. No. 5-4-92/1 and admeasuring 566 sq. yds. at Ranigunj, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. 132/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-644 to 646 situated at Abid Circle, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt. Syedunnisa Begum, W/o Mir Hassan Ali Khan, H. No. 4-1-1236/2 at King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Miss Noor Jahan Himmathi, D/o Hassan Himmathi, 2. Miss Sabba Himmathi, D/o Hassan Himmathi, both are minors represented by guardian Mother Qamar Jokar W/o Hassan Himmathi, H. No. 5-9-217 at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

\*(3) King Circle Restaurant, represented by Partners 1. Sri Hassan Himmathi, 2. Mohd. Riza, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Extreme eastern portion (or eastern portion) of double storeyed building bearing Municipal No. 5-8-644 to 5-8-646 admeasuring 26,592 sq. meters situated at Abid Circle, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-10-1975

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/884/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Aggarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshwar Nath  
r/o 19, Nizamudin West, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Gupta W/o Shri G. C. Gupta.  
R/o 1156, Bara Bazar, Kashmeri Gate, Delhi.  
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)  
2. Institute of Radio Technology (1st floor)  
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)  
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th Undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings & fixtures.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-10-1975

Seal :

FROM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref No. IAC/Acq.II/883/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1658-1660 situated at Lothia Road Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshwar Nath  
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shail Gupta W/o Shri P. C. Gupta  
r/o 1156, Bara Bazar, Kashmeri Gate, Delhi.  
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)  
2. Institute of Radio Technology (1st floor)  
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)  
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old and 1658-16-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1975  
Seal :

FROM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath  
r/o 19, Nizamudin West, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puran Singh Narula s/o Shri Ram Chand Narula  
r/o 919, Kashmere Gate, Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

(3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)  
2. Institute of Radio Technology (1st floor)  
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)  
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate,  
Delhi.  
(Person in occupation of the property).

New Delhi, the 8th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said,  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/882/75-76/4165—Whereas, I, S. N.  
L. Agarwala,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate,  
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on 8-4-1975,

for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

25—306GI/75

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No.  
767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kash-  
mere Gate, Delhi with the land under the said property together  
with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheswar Nath  
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/881/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (2) Shri Sunil Kumar Gupta s/o Shri Murari Lal Gupta r/o 547, Gali Behal Sahib, Kashmire Gate, Delhi.  
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)  
2. Institute of Radio Technology (1st floor)  
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)  
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal ;

FROM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath  
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq/II/880/75-76/4165.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Anil Kumar s/o Shri Niranjan Lal Gupta  
r/o 544 Gali Behal Sahib, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)  
2. Institute of Radio Technology (1st floor)  
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)  
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gurcharan Singh Sethi s/o  
Sh. Partap Singh Sethi,  
r/o K-73-74, West Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI,

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1791(891)/75-76/4166.—Whereas,  
J. S. N. L. Agarwala,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1/2 of B-21,  
situated at Moti Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at  
Delhi on 28th February 1975,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act,' I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following per-  
sons, namely :—

(2) Smt. Motia Rani w/o Shri Sham Sunder  
r/o 20/44, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a  
plot of land measuring 300 sq. yds. situated at B-21, Moti  
Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali  
South : Road.  
East : Road.  
West : GBP No. B-20.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
3RD FLOOR, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi. the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1790(890)/75-76/4166.—Whereas,  
I, S. N. L. Agarwala,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1/2 of B-21,  
situated at Moti Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Regis-  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-  
ing Officer at  
Delhi on 28-2-75,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the Said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Gurcharan Singh Sethi s/o  
Sh. Partap Singh Sethi,  
r/o K-73-74, West Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmal Kumari w/o Shri Prem Pal  
r/o 20/44, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a  
plot of land measuring 300 sq. yds. situated at B-21, Moti  
Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali  
South : Road.  
East : Road.  
West : GBP No. B-20.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/889/75-76/4166.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36-37 situated at Village Uldanpur, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Maya Devi w/o Shri Ram Chand  
2. Shri Ved Prakash s/o Shri Ram Chand  
residents of 1157/13, Rohtas Nagar,  
Shahdara, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Bhagat Gupta s/o  
Shri Hari Singh Gupta  
r/o 1547-A, Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land number 36-37 measuring 336 sq. yds. out of Khasra No. 879/383, 880/383 situated in the area of Village Uldanpur, Abadi Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32 within the limits of Municipal Corporation of Delhi bounded as under :—

East : Road 20'  
West : Road 16'  
North : Other's house.  
South : Road'

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/888/75-76/4166.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Village Uldanpur, Illaqa Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jagdish Lal s/o  
Shri Gian Chand
2. Smt. Veena Wali w/a L. Shri Hari Ram  
for self and as natural guardian of Kumari Saroj  
aged about 14 years d/o Late Shri Hari Ram  
and Sonu aged about 5 years s/o Late Shri  
Hari Ram.
3. Smt. Kiran,
4. Shri Virender Kumar sons of Shri Hari Ram  
all residents of 5530 Sadar Bazar, Delhi.  
(Transferor)

- (2) Shri Radhey Sham s/o  
Shri Ram Savroop r/o 7/520, Jawala Nagar,  
Shahdara, Delhi-32.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land No. 8 area 290 sq. yds part of Khasra  
No. 1033/709/634/402-407-408 situated in the abadi of  
Navin Shahdra in the area of village Uldanpur, Illaqa  
Shahdra, Delhi-32 and bounded as under :—

North : Road 20'  
South : Property of others.  
East : Property of others.  
West : Plot No. 7.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ. II/887/75-76/4166.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31/28, situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1975,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saraswati Devi wd/o  
Shri Arjan Dass Kumar,  
r/o 31/28, East Patel Nagar, New Delhi,  
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani  
w/o Shri Dharam Paul Kapoor,  
r/o 5/5209, Krishna Nagar, Karol Bagh,  
New Delhi-5.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at 31/28, East Patel Nagar, New Delhi & bounded as under :—

North : House No. 31/29  
South : House No. 31/27  
East : Road  
West : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Pran Nath s/o  
Shri Murari Lal  
825, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Balbir Saran, s/o  
Shri Pyare Lal,  
r/o 727, Nai Basti, Katra Neel,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. IAC/Acq. II/885/75-76/1466.—Whereas, I,  
S. N. L. Agarwala,  
being the Competent Authority  
under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 727 (Ground floor)  
situated at Nai Basti, Katra Neel, Ch. Chowk, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has  
been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Delhi on March, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen percent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

26—306GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of the building No. 727 situated at Nai Basti  
Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi Ward-II and bounded  
as under :—

East : Gali  
West : Other's property  
South : Other's property  
North : House No. 918.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/886/75-76/4166.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 727 (1st & 2nd floor) situated at Nai Basti, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Prem Nath s/o  
Shri Murari Lal,  
r/o 825, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Kiran Wati, w/o Shri Balbir Saran  
r/o 727 (1st floor), Katra Neel, Nai Basti,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First & Second floor of the building No. 727 situated at Nai Basti, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi Ward II and bounded as under:—

East : Gali  
West : Other's property  
South : Other's property  
North : House No. 918.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh  
r/o H. No. 27, Road No. 56. Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/April/252(17)/75-76/  
3938.—Whereas, I S. C. PARIJA,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing  
No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA  
on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 11-4-1975 for an  
apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the Parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabil-  
ity of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Gurcharan Kaur w/o Shri Lal Singh  
r/o H. No. 79/5648, Regharpura, Karol Bagh,  
New Delhi,

(Transferor)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
3. Messrs Balson Shoes.
4. Messrs Bharat Vaidhya (P) Ltd.
5. Shri K. C. Bhagat.
6. Shri T. S. Kakar.
7. Shri Sham Chand Gupta.
8. Shri Madan Lal.
9. Shri T. S. Kakar. /
10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
11. Shri Lalit Mohan.

r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta, Road,  
Karol Bagh, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights  
and structure on plot No. 53/6, WEA on Desh Bandhu  
Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 2½ storeyed  
building thereon, with plot of land measuring 268 sq.  
yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata  
Khwat No. 1,

Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane

South : Desh Bandhu Gupta Road

East : Property on plot No. 53/3.

West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/April/251(16)/75-76/  
3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 11-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhupinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh,  
r/o H. No. 79/5648, Regharpura, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh  
r/o H. No. 27, Road No. 56, Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
3. Messrs Balson Shoes.
4. Messrs Bharat Vavidhya (P) Ltd.
5. Shri K. C. Bhagat.
6. Shri T. S. Kakar.
7. Shri Sham Chand Gupta.
8. Shri Madan Lal.
9. Shri T. S. Kakar.
10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
11. Shri Lalit Mohan,  
r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta, Road,  
Karol Bagh, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights and structure on plot No. 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 21 storeyed building thereon, with plot of land measuring 268 sq. yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata Khewat No. 1, Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane

South : Desh Bandhu Gupta Road

East : Property on plot No. 53/3,

West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/April/253(18)/75-76/3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh  
r/o H. No. 79/5648, Regharpura, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh  
r/o H. No. 27, Road No. 56, Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
3. Messrs Balson Shoes.
4. Messrs Bharat Vavidhya (P) Ltd.
5. Shri K. C. Bhagat.
6. Shri T. S. Kakar.
7. Shri Sham Chand Gupta.
8. Shri Madan Lal.
9. Shri T. S. Kakar.
10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
11. Shri Lalit Mohan.  
r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta Road,  
Karol Bagh, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights and structure on plot No. 53/6, WEA on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 24 storeyed building thereon, with plot of land measuring 269 sq. yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata Khewat No. 1, Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane  
South : Desh Bandhu Gupta Road  
East : Property on plot No. 53/5,  
West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/March/791(11)/75-76/3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{4}$  share of plot No. 12 on Road No. 53-B, Punjabi Bagh area of village Madipur, Delhi State, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sat Pal Gulati s/o Shri Kishan Chand Gulati, r/o House No. I-116, Rajouri Garden New Delhi-27.

(Transferor)

(2) M/s. Dheru Mal Kapur & Sons, 66, G. B. Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half undivided share of a plot of land measuring 666.66 sq. yds. (333.33 sq. yds.,  $\frac{1}{2}$  share) bearing plot No. 12 on Road No. 53-B, situated in the colony known as Punjabi Bagh in the area of Village Madipur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Service lane.

East : Plot No. 10.

South : Road No. 53-B.

West : Road.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29th September 1975

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Sat Paul Gulati s/o Shri Kishan Chand Gulati, r/o House No. J-116, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/March/792(12)/75-76/  
3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. ½ share of plot No. 12 on Road No. 53-B, Punjabi  
Bagh area of village Madipur, Delhi State, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering office at  
New Delhi on 7-3-1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the trans-  
fer; and

(b) facilitating the concealment of any income of  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(2) M/s. Dheru Mal Kapur & Sons, 66, G. B.  
Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of a plot of land measuring  
666.66 sq. yds. (333.33 sq. yds., ½ share) bearing plot  
No. 12 on Road No. 53-B, situated in the colony known  
as Punjabi Bagh in the area of Village Madipur, Delhi  
State, Delhi and bounded as under :—

North : Service lane.  
East : Plot No. 10.  
South : Road No. 53-B.  
West : Road.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/Feb/205(12)/74-75/3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Q-1, Hauz Khas Enclave (rear portion) situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Biraja Madhab Gupta s/o late Shri Bipul-Chandra Gupta, Karta of HUF, r/o Q-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.

(Transferor)

(2) (1) Mrs. Leontine Madan w/o Shri Surendra Singh Madan and

(2) Shri Surendra Singh Madan s/o Shri ude Singh Madan r/o 6, Park Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free hold double storeyed house No. Q-1, (rear portion) Hauz Khas Enclave, New Delhi-110016 on a residential plot of land measuring 385 sq. yds. within the Municipal limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road.  
North : Lawn.  
West : Bungalow No. Q-2.  
South : Front portion of Bungalow No. Q-1.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Kapur s/o Late Chuni Lal Kapur,  
r/o J-12/34, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanwal Paintal w/o Shri Surinder Singh  
r/o S-415, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/April-I/712(40)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-50 (1 undivided Plot) situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 9-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—306G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half undivided share of plot No. E-50, measuring 266 sq. yds. situated in the colony known as Greater Kailash, New Delhi area of village Yayutpur, Delhi state, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane,  
South : Road,  
East : Plot No. E-52.  
West : Plot No. E/48.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 8th October 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Kapur s/o Shri Chuni Lal Kapur,  
r/o J-12/34, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Surinder Singh s/o Shri Jadodh Singh  
r/o S-415, Greater Kailash, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR.III/Feb-I/620/(42)/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-50 (½ undivided share) situated at Greater Kailash-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14th Feb. 1975

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half undivided share of plot No. E-50, measuring 266 sq. yds. situated in the colony known as Greater Kailash-I, New Delhi area of Village Yaqutpur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane.  
South : Road.  
East : Plot No. E-52.  
West : Plot No. E/48.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 8th Oct. 1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th October 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/June/319(17)/75-76/4160.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. Y-38 situated at Hauz Khas New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. P. Bhattacharjee s/o Late Shri B. K. Bhattacharjee r/o I-261, DDA Flats, Naraina, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Krishna Kumari Virmani w/o Shri Harbhagwan Dass Virmani.  
(2) Shri Harbhagwan Dass Virmani s/o Shri Mayya Dass Virmani r/o G-15/9, Malviya Nagar, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) (1) Shri N. C. Bannerjee and  
(2) Shri S. Roy r/o Y-38, Hauz Khas, New Delhi.  
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and a half storeyed free hold house on a plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. Y-38, situated in the colony known as Hauz Khas, New Delhi and bounded as under :—

North : Lane.  
East : House No. 39.  
South : Road.  
West : Lane.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/March-II/689/(40)/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-255 Greater Kailash-II situated at New Delhi, ( $\frac{1}{3}$  undivided portion) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh Chatrath s/o Shri Lal Singh Chatrath, r/o 873, Qutab Road, Delhi-6.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sushsma Paruthi w/o Diwan Chand Purthi and Shri Diwan Chand Paruthi r/o 4/71 WEA, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half undivided share in a free-hold plot of land bearing No. 255 in Block 'M' situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi having an area of 400 sq. yds. and in the Union Territory of Delhi State and bounded as under :—

North : Plot No. M-253.  
East : Road.  
South : Plot No. M-257.  
West : Road.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.

Seal :



FORM ITNS

(1) Shri S. Didar Singh and S. Sewa Singh s/o  
Shri Gurmukh Singh r/o D-3/12, Model Town,  
Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th October 1975

Ref. No. IAC/Ack. I/SR.III/March-II/682/(38)/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-326 (½ undivided portion) situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Harban Singh s/o Shri Balwant Singh c/o  
M/s. Balwant Singh Harbans Singh Gali Bhoj-  
pura, Mali-wara, Nai Sarak, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half undivided share in a plot of land measuring 476 sq. yds. bearing No. 326 in Block 'S', situated in the colony known as Greater Kailash-II, in the area of village Bahapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Road.  
South : Plot No. S/328.  
East : Service Lane.  
West : Road.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Deo Panday

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 67-R/Acq.—Whereas, J. Bishamber Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiparhar, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot No. 216 measuring 3 Biswas is situated at Baskiparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Adhar Jaswal

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWObjection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow. the 22nd September 1975

Ref. No. 68-R/Acq.—Whereas, I, Bishambar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 216

situated at Baskiuparhar Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot No. 216 measuring 3 Biswas is situated at Baskiuparhar Dist Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Chand and others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 40-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Allahabad on 17-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durga Pd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

16-D/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot No. 216 out of which 3 Bhs was situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—  
28—306GI/75

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arun Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 52-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot No. 216 measuring 3 Biswas situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 22-9-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th October 1975

Ref. No. P.R. No. 252-Acq.23-407/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 70/1 Paiki Open land 7865 S. Yds. situated at Village Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, -1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Ramanlal Motiram Desai;
- (2) Manjulaben Ramanlal Desai;
- (3) Bakosh Ramanlal Desai;
- (4) Vasantrai Motiram Desai;
- (5) Taruben Vasantrai Desai;
- (6) Pankaj Vasantrai Desai;
- (7) Kantaben Jayantilal Desai;
- (8) Indravadan Jayantilal Desai;
- (9) Bakulaben Indravadan Desai;

Sagrampura, Surat.

(Transferor)

- (2) Anand Mangal Textile Co., Behind Jail, Khatodra, through : Partner : Harvadan Mohanlal Jarivala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 70/1, admeasuring 7865 Sq. yds. situated at Village Majura of Taluka Choryasi Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 1764 of March, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10-10-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Rupam Organisers, C/o H. J. Hajivala, Behind Jail, Khatodra, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AHMEDABAD-380009.(2) Shri Hari Om Industrial Services Society Ltd.,  
Udhna-Magdalla Road, Surat.

Through : its President :

Hon. Manager :

Committee Member :

1. Hiralal Ganspatram Banki.

2. Chimanlal Kirparam;

3. Manharlal Kashiram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 10th October 1975

Ref. No. P.R. No. 253 Acq.23-411/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 168 Paiki Open land 11786 Sq. yds. situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 27-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 168 admeasuring 11786 Sq. yds. situated at Village Majura on Udhna-Magdalla Road of Dist. Surat, as fully described in sale-deed registered under No. 1751 of March, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-10-1975

Seal: